सान्ध्य हिन्दी दैनिक | जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 02 | अंक – 262 | जौनपुर, बुधवार, 19 जून 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

एकेटीयू के खाते से साइबर अपराधियों ने पार कर दिए 120 करोड़ रुपये

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ एकेटीयू विश्व विद्यालय के खाते से साइबर अपराधियों ने 120 करोड़ रुपये की रकम पार कर दी। पूरी रकम एक ट्रस्ट के खाते में ट्रांसफर की गई। साइबर क्राइम थाने में एफआईआर दर्ज की गई। टीम ने यूपी और गुजरात से सात साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रेस वार्ता कर वारदात का खुलासा करेगी। साइबर क्राइम थाने में एकेटीयू की तरफ से 12 जून को एफआईआर दर्ज कराई गई थी। जिसमें बताया गया था विवि के यूनियन बैंक खाते से 120 करोड़ रुपये पार किए गए हैं। तफ्तीश में सामने आया कि गुजरात की एक ट्रस्ट के खाते में ये पूरी रकम ट्रांसफर की गई है। तीन टीमों ने मिलकर सूरत से मास्टरमाइंड को दबोचा और फिर एक के बाद एक सात आरोपियों को गिरफ्तार किया। 119 करोड़ रुपये की रिकवरी भी की। अपराधी सिर्फ एक करोड़ रुपये ही खर्च कर पाए थे। पुलिस ने गिरीश चंद्रा, शैलेश रघुवंशी, जोशी देवेंद्र प्रसाद, केके त्रिपाठी, दस्तगीर आलम, उदय पटेल और राजेश बाबू को गिरफ्तार किया है।

अररिया में उद्घाटन से पहले गिरा पुल

बिहार, एजेंसी। बिहार के अररिया जिले के सिकटी प्रखंड क्षेत्र में बकरा नदी पर बना पुल ढहकर नदी में गिर गया। जिले के पड़किया घाट पर करोड़ों रुपये की लागत से इसे बनाया गया था। पुल के ढहने का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें सुना जा सकता है कि इसके निर्माण को एक साल भी नहीं हुआ है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ठेकेदार और विभाग की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ। पुल के निर्माण में कथित तौर पर 12 करोड़ रुपये खर्च हुए थे। गौरतलब है कि पड़रिया पुल के तीन खंभे नदी में बह गए, जिससे पुल ढह गया। बिहार के अररिया जिले के सिकटी क्षेत्र में बकरा नदी पर बना एक नवनिर्मित पुल 18 जून को ढह गया। पुल का निर्माण पड़किया घाट के पास किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, 12 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बने इस पुल का अभी उद्घाटन होना बाकी है। मंगलवार को बकरा नदी में नये पुल के तीन खंभे गिर गये। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुल का निर्माण घटिया सामग्री से किया गया था। पुल गिरने के बाद पुल निर्माण करने वाली टीम और प्रशासन मौके पर पहुंचा। पुल का निर्माण जिले के ग्रामीण कार्य विभाग ने कराया था। सिकटी विधायक विजय मंडल ने आरोप लगाया कि पुल के लिए एप्रोच रोड भी नहीं बना है और खंभे भी अच्छी सामग्री से नहीं बनाये गये हैं।

विधायकी से इस्तीफा देकर भावुक हुए शिवराज चौहान

नई दिल्ली, एजेंसी। मोदी 3.0 कैबिनेट में हाल ही में केंद्रीय कृषि मंत्री के रूप में शपथ लेने वाले शिवराज ने सोमवार (17 जून) को मध्य प्रदेश विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया, जहां वे बुधनी विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते थे। विधानसभा अध्यक्ष को विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा सौंपने के बाद, नवनियुक्त केंद्रीय कृषि मंत्री ने बुधनी में अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के लिए एक वीडियो संदेश जारी किया, जिसमें उन्होंने अपनी क्षमता के अनुसार सेवा जारी रखने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा, आज मैं बहुत भावुक हूं... मैंने मध्य प्रदेश विधानसभा की सदस्यता से अपना इस्तीफा दे दिया है... मैंने अपना सार्वजनिक जीवन बुधनी से ही शुरू किया था... मैंने विधानसभा चुनाव में रिकॉर्ड अंतर से जीत दर्ज की और लोकसभा चुनाव में भी उन्होंने मुझे बड़े अंतर से जिताया। मैंने बुधनी के लोगों की पूरे दिल से सेवा की है... मेरा पूरा जीवन जनता के इस प्यार को समर्पित है इस बीच, यह ध्यान देने योग्य है कि 2023 के मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में, भाजपा नेता और चार बार के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधनी निर्वाचन क्षेत्र से 1.05 लाख से अधिक मतों के अंतर से जीत हासिल की।

मां गंगा ने मुझे गोद ले लिया, मैं यहीं का हो गया हूं - पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा चुनाव में दोबारा निर्वाचित होने के बाद अपने पहले दौरे पर वाराणसी पहुंचे और लोगों को संबोधित किया। इसस दौरान मोदी ने कहा कि भारत में 18वीं लोकसभा के लिए हुआ ये चुनाव भारत के लोकतंत्र की विशालता को, भारत के लोकतंत्र के सामर्थ्य को, भारत के लोकतंत्र की व्यापकता को, भारत के लोकतंत्र के जड़ों की गहराई को दुनिया के सामने पूरे सामर्थ्य के साथ प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि बाबा विश्वनाथ और मां गंगा के आशीर्वाद से, काशीवासियों के असीम स्नेह से मुझे तीसरी बार देश का प्रधान सेवक बनने का सौभाग्य मिला है। मोदी ने कहा कि काशी के लोगों ने मुझे लगातार तीसरी बार अपना प्रतिनिधि चुनकर धन्य कर दिया है। अब तो मां गंगा ने भी जैसे मुझे गोद ले लिया है, मैं यहीं का हो गया हूं। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में देश के लोगों ने जो जनादेश दिया है, वो वाकई अभूतपूर्व है। इस जनादेश ने एक नया इतिहास रचा है। उन्होंने कहा कि दुनिया के लोकतांत्रिक देशों में ऐसा बहुत कम ही देखा गया है कि कोई चुनी हुई सरकार लगातार तीसरी बार वापसी करे, लेकिन इस बार भारत की जनता ने ये भी करके दिखाया है। ऐसा भारत में 60 साल पहले हुआ था। उन्होंने कहा कि ये बहुत बड़ी जीत है, ये

बहुत बड़ी विजय है और बहुत बड़ा विश्वास है। आपका ये विश्वास मेरी बहुत बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि आपका ये विश्वास मुझे लगातार आपकी सेवा के लिए, देश को नई ऊंचाई पर पहुंचाने के लिए कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा देता है। मैं दिन–रात ऐसे ही मेहनत करूंगा, आपके सपनों और संकल्पों को पूरा करने के लिए हर प्रयास करूंगा। उन्होंने कहा कि मैंने किसान, नौजवान, नारीशक्ति और गरीब को विकसित भारत का मजबूत स्तंभ माना है।

वायनाड से प्रियंका गांधी लोकसभा चुनाव लड़ेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। वायनाड निर्वाचन क्षेत्र से प्रियंका गांधी वाड्रा के नामांकन ने राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है, भाजपा ने कांग्रेस पर वंशवाद की राजनीति करने का आरोप लगाया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर ने कांग्रेस पर जनता को धोखा देने और अपने इरादों को छिपाने का आरोप लगाया। चंद्रशेखर ने कहा, बेशर्मी है और कांग्रेस की बेशर्मी है – वायनाड के मतदाताओं पर अपने वंश के एक के बाद एक सदस्यों को थोपना – बेशर्मी से इस तथ्य को छिपाने के बाद कि राहुल दूसरे निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, विश्वासघात का यह पैटर्न ही कारण है कि कांग्रेस को राहुल गांधी के नेतृत्व में तीसरी बार चुनाव हार का सामना करना पड़ा है। चंद्रशेखर को जवाब देते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अपने ट्रैक रिकॉर्ड की ओर इशारा किया। खेड़ा ने चुटकी लेते हुए कहा, ष्क्या नरेंद्र मोदी ने वडोदरा के मतदाताओं

से बेशर्मी से यह बात छिपाई कि वे 2014 में वाराणसी से भी चुनाव लड़ेंगे?ष वे गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी का जिक्र कर रहे थे जिन्होंने 2014 में वडोदरा और वाराणसी से लोकसभा चुनाव लड़ा था और दोनों में जीत हासिल की थी। इसके बाद उन्होंने वडोदरा निर्वाचन क्षेत्र से इस्तीफा दे दिया और वाराणसी सीट बरकरार रखी। सोशल मीडिया पर यह तीखी बहस कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे की उस घोषणा के बाद हुई जिसमें उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी उत्तर प्रदेश में रायबरेली लोकसभा क्षेत्र को बरकरार रखेंगे और केरल में वायनाड सीट खाली करेंगे। प्रियंका गांधी वाड्रा वायनाड से चुनावी मैदान में उतरेंगी। अगर वे निर्वाचित होती हैं तो यह प्रियंका गांधी वाड्रा का संसद सदस्य के रूप में पहला कार्यकाल होगा। इसके अलावा, यह पहली बार होगा जब सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा एक साथ संसद में काम करेंगे। भाजपा ने वायनाड से प्रियंका गांधी को मैदान में उतारने के कांग्रेस के फैसले की निंदा की और इसे वंशवादी राजनीति का स्पष्ट उदाहरण बताया। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, ष्इससे साबित होता है कि कांग्रेस एक पार्टी नहीं बल्कि एक पारिवारिक कंपनी है। उन्होंने आगे कहा कि गांधी परिवार के वंशज द्वारा वायनाड सीट छोड़ने का फैसला निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं के साथ विश्वास घात है।

44 गौ संरक्षण केंद्रों का निर्माण व विकास करेगी योगी सरकार, पशुपालन विभाग ने शुरू की तैयारियां

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में गोवंश संरक्षण के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं। इस कड़ी में प्रदेश के विभिन्न जिलों में 44 गो संरक्षण केंद्रों के निर्माण व विकास का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इस क्रम में प्रदेश सरकार द्वारा पशुधन विभाग को आदेश जारी किया गया है तथा 5.28 लाख रुपए की धनराशि व्यय से 15 जिलों में गो संरक्षण केंद्रों के निर्माण व विकास को सुनिश्चित किया जाएगा।

इस प्रक्रिया के अंतर्गत प्रत्येक गौ संरक्षण केंद्रों को 12 हजार रुपए की धनराशि व्यय से निर्मित व विकसित किया जाएगा। इस क्रम में बरेली के अनिरुद्धपुर, मउचंदपुर, सिकोड़ा, अंबरपुर, करतौली, मानपुर अहियापुर, चुरई दलपतपुर, बांसबोझ, महेशपुर शिव सिंह और शेखापुर में गौ संरक्षण केंद्रों का निर्माण व विकास किया जाएगा। इसी प्रकार, उन्नाव के तौरा, टिकरा सामद, छूलामऊ, कोंथा व देवमई में गौ संरक्षण केंद्रों का निर्माण व विकास किया जाएगा। वहीं, शाहजहांपुर के शहबाजनगर, धुसगवां, बागपत के बिजवाड़ा, काकौर, अगला अगरी, लखीमपुर खीरी के कादीपुर, जालौन के नुनबई व गुजराजपुर, कासगंत के नादरमई व मथुरा के बढ़ौता में भी विकास कार्यों को पूर्ण किया जाएगा। इसी प्रकार, सम्भल के साकिन शोभापुर मुनजब्ता, एचौली व निरयावली, रायबरेली के बन्नांवा, अमेठी के दक्खिनगांव, कोरारी लच्छनशाह, खारा व टीकरमाफी, हरदोई के बरेला कमालपुर, कुरसेली व उचवल, फतेहपुर के जरौली व भादर, मुरादाबाद के मोहम्मदपुर मनसुख, रायपुर खुर्द व राजपुर मिलक तथा आगरा के खेड़ी अडू व कुर्रा चित्तरपुर में में गौ संरक्षण केंद्रों का निर्माण व विकास किया जाएगा।

लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव सर्वसम्मति से कराने पर जोर – मंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। 18वीं लोकसभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के प्रतिष्ठित पदों के लिए चुने जाने वाले नामों पर सस्पेंस के बीच, भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय

जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नेता मंगलवार शाम 5 बजे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक करने वाले हैं। यह बैठक, जो 18वीं लोकसभा के कार्यकाल के पहले सत्र से कुछ ही दिन पहले हो रही है, कथित तौर पर लोकसभा अध्यक्ष के पद पर एनडीए सहयोगियों के बीच आम सहमति बनाने के लिए बुलाई जा रही है, जिसे कथित तौर पर भाजपा के पास रहने की उम्मीद है। वहीं, उपसभापति का पद एनडीए सहयोगियों को आवंटित किया जाएगा, उपलब्ध जानकारी के अनुसार, आज की बैठक, जिसमें जेपी नड्डा, किरेन रिजिजू, चिराग पासवान, राम मोहन नायडू किंजरापु और ललन सिंह सहित एनडीए के शीर्ष नेता शामिल होंगे।

स्पीकर पद को लेकर भी चर्चा होने की संभावना है, जिस पर कई लोगों की नजर है। जबकि जद (यू) ने पहले ही भाजपा को समर्थन देने के अपने फैसले की घोषणा कर दी है, टीडीपी ने एनडीए उम्मीदवार के लिए प्रयास किया है।

इसके अलावा, यह ध्यान रखना उचित है कि आगामी संसद सत्र में एनडीए सहयोगियों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने पर भी चर्चा होने की संभावना है।

महाराष्ट्र के शीर्ष नेताओं के साथ अमित शाह की बड़ी बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। बीजेपी के लिए लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश के अलावा महाराष्ट्र में भी उसका प्रदर्शन उतना ही निराशाजनक था। बीजेपी की सीटें 23 से गिरकर नौ पर आ गईं, उसके सहयोगियों का भी प्रदर्शन बेहतर नहीं रहा, क्योंकि शिवसेना ने सात और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने केवल एक सीट जीती। लेकिन इससे पहले कि पार्टी अपने स्तर पर आगे बढ़े और यह तय करे कि वह कैसे अपनी दिशा सुधार सकती है, उसे कहीं अधिक महत्वपूर्ण मुद्दा तय करना होगा, जिस पर महत्वपूर्ण विधानसभा चुनावों लड़ा जा सके। आज राज्य के बड़े नेता पार्टी के वरिष्ठ नेता और गृह मंत्री अमित शाह से मिल रहे हैं। माना जा रहा है कि इस बैठक में राज्य में खराब प्रदर्शन पर चर्चा तो होगी ही, साथ ही विधानसभा चुनाव के लिए रणनीति भी तैयार किए जाएंगे। हालांकि, सभी की नजर देवेन्द्र फडणवीस पर रहने वाली हैं। इससे पहले कि महाराष्ट्र बीजेपी के कुछ नेता दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री

अमित शाह से मिलने के लिए रवाना हों, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने देर रात डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार के साथ बैठक की। हालांकि बैठक का विवरण अज्ञात है, सूत्रों ने कहा कि यह लोकसभा चुनाव के बाद एक नियमित समीक्षा बैठक थी। इस साल अक्टूबर में होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के साथ, केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव को महाराष्ट्र भाजपा इकाई का प्रभारी और अश्विनी वैष्णव को इसका सह प्रभारी नियुक्त किया गया है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस लोकसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद सरकार से इस्तीफा देने पर अड़े नजर आ रहे हैं। भाजपा के सूत्रों ने कहा, श्फडणवीस राज्य सरकार से हटने पर अड़े हुए हैं। वह पार्टी को मजबूत करने के लिए अपना समय और ऊर्जा पूरी तरह से समर्पित करने के इच्छुक हैं।

फडणवीस ने पिछले सप्ताह पार्टी नेताओं को अपनी इच्छा से अवगत कराया था। हालाँकि, भाजपा की कार्यकारी समिति ने उनके प्रस्ताव को अस्वीकार करते हुए एक प्रस्ताव अपनाया। लोकसभा चुनाव में बीजेपी की हार की जिम्मेदारी लेते हुए देवेंद्र फडणवीस ने कहा था, श्मैं चुनौतियों से भाग नहीं रहा हूं। मैं चुनौती स्वीकार करना चाहता हूं और यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि पार्टी प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में लौटे।

मोदी 3.0 में नितिन गडकरी का साथ देंगे अजय टम्टा

नई दिल्ली, एजेंसी। अल्मोडा लोकसभा सीट से सांसद चुने गए अजय टम्टा को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कैबिनेट में जगह मिल गई है। उन्हें नितिन गडकरी के सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में बतौर राज्यमंत्री शामिल किया गया है। भाजपा प्रत्याशी अजय टम्टा ने लगातार तीन बार लोकसभा चुनाव जीत हैट्रिक बनाई। अजय टम्टा ने रिकार्ड 234097 मतों ने से जीत दर्ज करने में सफलता पाई। केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह मिलने पर उन्ह्होंने अपनी संसदीय सीट की जनता का आभार जताया है। 16 जुलाई 1972 को पैदा हुए अजय टम्टा केंद्र सरकार में उत्तराखंड के इकलौते मंत्री हैं। छात्र जीवन में ही राजनीति में आए अजय टम्टा जिला पंचायत सदस्य और फिर देश के सबसे युवा जिला पंचायत अध्यक्ष भी रह चुके हैं। इसके बाद वह दो बार उत्तराखंड में विधायक भी रहे। वहीं उत्तराखंड विधानसभा के अपने दूसरे कार्यकाल में वह पहले राज्यमंत्री और फिर कैबिनेट मंत्री भी बने। अजय टम्टा को पहली बार सांसद बनने के बाद केंद्र सरकार में टेक्सटाइल राज्य मंत्री बनने का भी मौका मिला। अजय टम्टा के पिता मनोहर लाल टम्टा पोस्टल एंड टेलिकॉम डिपार्टमेंट में अधिकारी थे। उनकी मां निर्मला टम्टा भी टीचर्स इंस्ट्रक्टर थीं, लेकिन उन्होंने बाद में अपनी नौकरी छोड़ दी। छह भाई–बहनों में अजय टम्टा तीसरे नंबर पर हैं।

आगामी महाकुंभ प्रयागराज कराने के लिये आईपीएस डा0 राजीव नारायण मिश्र ने सम्भाला कार्यभार

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। विगत दिनों शासन द्वारा स्थानांतरित आईपीएस अधिकारी डॉ राजीव नारायण मिश्र,डीआईजी पीएसी सेक्टर कानपुर/वाराणसी द्वारा आज प्रभारी आईजी पीएसी पूर्वी जोन प्रयागराज का कार्यभार ग्रहण किया।बताते चलें कि कि डॉ राजीव नारायण मिश्र ने विगत चार बार से लगातार माघ मेला प्रभारी के रूप में सफलतापूर्वक माघ मेला संपन्न कराया है। सूत्रों की माने तो उनका स्थानांतरण आगामी महाकुंभ 2025 के दृष्टिगत प्रयागराज किया गया है। बताते चलें कि डॉ राजीव नारायण मिश्र को पूर्व में राम जन्मभूमि पर हुए आतंकवादी हमले को विफल करने में योगदान देने के लिए महामहिम राष्ट्रपति भारत द्वारा वीरता के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया जा चुका है।इसके अलावा साथ ही साथ उनको सराहनीय सेवा के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक एवं अन्य विभिन्न अलंकरण भी प्राप्त हो चुके हैं। मालूम हो कि डॉ मिश्र पूर्व में एसएसपी एसटीएफ, लखनऊ, एसपी कुशीनगर, एसपी ट्रैफिक नोएडा, एसपी एटीएस एवं अन्य महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त रह चुके हैं।

रेलवे पूरी तरह लावारिस', केंद्र की दिलचस्पी केवल केवल किराया बढ़ाने में है – ममता

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को रेलवे को 'पूरी तरह लावारिस' करार देते हुए दावा किया केंद्र की दिलचस्पी केवल किराया बढ़ाने में है, यात्री सुविधाओं में सुधार करने में नहीं है। बनर्जी रंगापानी के पास ट्रेन दुर्घटना के बाद स्थिति का जायजा लेने के लिए सिलीगुड़ी जाते समय कोलकाता हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से बात कर रही थीं। इस दुर्घटना में कई यात्रियों की मौत हो गई। उन्होंने दावा किया, रेलवे पूरी तरह से 'लावारिस' हो गया है। हालांकि, मंत्रालय है, लेकिन पुराना वैभव गायब है। केवल सौंदर्यीकरण किया जा रहा है, लेकिन उन्हें यात्री सुविधाओं की परवाह नहीं है। वे केवल किराए में बढ़ोतरी में दिलचस्पी ले रहे हैं। उन्होंने कहा, आप उन्हें केवल बड़ी–बड़ी बातें करते देखेंगे। वे रेलवे अधिकारियों, तकनीकी, संरक्षा और सुरक्षा विभाग के कर्मियों का भी ख्याल नहीं रखते हैं। मैं रेलवे कर्मचारियों और अधिकारियों के साथ हूं। उन्होंने रेल मंत्रालय की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वह टक्कर–रोधी प्रणाली को ठीक से लागू नहीं कर रहा है ताकि ऐसी दुर्घटनाओं के प्रभाव को कम किया जा सके। उन्होंने कहा, यह हादसा और भी बुरा हो सकता था। 70–80 लोग घायल हैं और करीब 20 की हालत गंभीर है। जब एक ट्रेन दूसरी ट्रेन से टकराती है, तो यह अनुमान लगाना मुश्किल हो जाता है कि कितने लोग घायल हुए हैं।

संपादकीय

मीडिया में नया जोश

राजनीति द्वारा कब्जा की गई पत्रकारिता, जैसा कि नरेंद्र मोदी युग ने प्रदर्शित किया है, और राजनीति को आकार देने वाली पत्रकारिता, जैसा कि रामोजी राव ने 1980 के दशक में अपने समाचार पत्र ईनाडु के साथ करने का प्रयास किया, के बीच एक अंतर है। राव, जिनका 87 वर्ष की आयु में 8 जून को निधन हो गया, एक राजनीतिक रूप से सक्रिय समाचार पत्र प्रकाशक और मीडिया मालिक थे, जिन्होंने अविभाजित आंध्र प्रदेश में मुख्यमंत्रियों को सत्ता में आने में मदद की थी – सबसे पहले, 1980 के दशक की शुरुआत में अभिनेता–राजनेता, एन. टी. रामा राव, और बाद में, एनटीआर के दामाद, एन. चंद्रबाबू नायडू, जब उन्होंने अपने ससुर के खिलाफ तख्तापलट किया था। विडंबना यह है कि तेलुगु देशम पार्टी, जिसे एनटीआर ने स्थापित किया था और राव ने बढ़ावा दिया था, ने आंध्र प्रदेश के विभाजित राज्य में फिर से सत्ता हासिल कर ली, जबकि रामोजी राव का निधन हो गया और कुछ दिनों बाद उन्हें शपथ दिलाई गई। नायडू ने दो दिवसीय राजकीय शोक की घोषणा की और राष्ट्रपति और प्रधान मंत्री ने राव की प्रशंसा की। यह सब इस बात को रेखांकित करता है कि हाल के दशकों में राव के रिकॉर्ड जैसा कोई मीडिया मालिक नहीं रहा है, खासकर तब जब उन्होंने समाचार और मनोरंजन के क्षेत्र में कई बहुभाषी टीवी चौनल, ईटीवी नेटवर्क लॉन्च किया। एकमात्र तुलनीय मीडिया हस्ती द इंडियन एक्सप्रेस समूह के संस्थापक रामनाथ गोयनका हैं, जिन्होंने 1980 के दशक तक राष्ट्रीय राजनीति को प्रभावित किया, जब राव अभी अपनी पहचान बना रहे थे। राव एक किसान परिवार से थे और उन्होंने मीडिया से परे भी व्यावसायिक हित विकसित किए। उनकी फाइनेंस कंपनी मार्गदर्शी के माध्यम से संचालित एक सफल चिट फंड ने उन उद्यमों को वित्तपोषित करने में मदद की, जिनमें प्रिया अचार का स्थायी ब्रांड, 1,600 एकड़ में फैला एक विशाल फिल्म सिटी (जिसे दुनिया का सबसे बड़ा कहा जाता है), फिल्म निर्माण, होटल, जहाज निर्माण और उनकी पत्नी के नाम पर एक पब्लिक स्कूल शामिल हैं। उनकी संपत्ति का अनुमान 35,000 करोड़ रुपये से 50,000 करोड़ रुपये के बीच लगाया गया है, जो उन्हें भारत के सबसे धनी व्यक्तियों में से एक बनाता है। राव की कुल संपत्ति हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट जैसे मानक संकलन में शामिल नहीं है, हालांकि उनके उषोदय एंटरप्राइजेज में 2,500 करोड़ रुपये हैं।

हैदराबाद से कुछ ही घंटों की दूरी पर स्थित रामोजी फिल्म सिटी उनकी कल्पनाशील रेंज प्ुंहपदंजपअम त्ंदहम का एक उदाहरण है। इस परियोजना ने एक चट्टानी जंगल को बदल दिया और फिल्म निर्माताओं को फिल्म बनाने के लिए आवश्यक सभी सुविधाएँ प्रदान कीं, जिसमें अभिनेताओं और क्रू के लिए होटल भी शामिल है। शूटिंग के लिए सेट की विविधता सड़क के दृश्यों से लेकर गानों के दृश्यों के लिए एक सुंदर जापानी उद्यान तक है। राव की एक फिल्म निर्माण कंपनी भी थी, जिसने कई फिल्में बनाईं, जिनमें से कुछ ने प्रमुख पुरस्कार जीते। अगर फिल्म निर्माण तमिलनाडु का पर्याय था, तो उन्होंने इसे बदलने की कोशिश की।

लेकिन यह ईनाडू ही था जिसने राव को मीडिया आइकन बनाया। 1974 में लॉन्च किया गया, इसने दैनिक जागरण और दैनिक भास्कर के वहां पहुंचने से दो दशक पहले जिला पत्रकारिता के स्ट्रिंगर–आधारित विस्तार के लिए एक टेम्पलेट सेट किया। हैदराबाद स्थित पत्रकारिता की प्रोफेसर पद्मजा शॉ ने द न्यूज मिनट के लिए लिखते हुए बताया कि राव ने नए उपक्रमों में कितनी मेहनत की। ईनाडु शुरू करने के बाद उन्होंने अखबार के लिए काम करने आने वाले पत्रकारों के भाषा कौशल को मजबूत करने के लिए ईनाडु पत्रकारिता स्कूल की स्थापना की। उन्हें ग्रामीण दर्शकों के साथ बेहतर संवाद करने के लिए तेलुगु के बोलचाल की भाषा का इस्तेमाल करना सिखाया गया। वह कहती हैं कि नए भर्ती हुए लोगों को हर हफ्ते क्लासिक्स पढ़ना पड़ता था, उनकी समीक्षा करनी पड़ती थी और अभिव्यक्ति में सटीकता सीखने के लिए अनुवाद अभ्यास करना पड़ता था। छात्रों के इस्तेमाल के लिए एक शोध और संदर्भ विंग भी स्थापित किया गया था। शॉ ने सुबह ग्रामीण पाठकों तक समाचार पत्र पहुंचाने, उन्हें उनके घर के पिछवाड़े की खबरें देने और स्थानीय व्यवसायों के लिए विज्ञापन मंच प्रदान करने के लिए किए गए स्थानीयकरण का भी सारांश दिया। 1970 के दशक में, तत्कालीन आंध्र प्रदेश के कई दूरदराज के इलाकों में अखबार देर शाम या अगले दिन पहुंचते थे। यह तब बदल गया जब ईनाडु ने वितरण के लिए आक्रामक रणनीति तैयार की, जिला संस्करण और टैब्लॉयड सप्लीमेंट पेश किए और स्थानीय जानकारी एकत्र करने के लिए स्ट्रिंगर्स की एक सेना बनाई। 1990 के दशक में भारत के हिंदी भाषी क्षेत्र में जो हिंदी अखबार क्रांति सामने आई, उसमें भी यही रणनीति अपनाई गई। रामोजी राव ने जाति और राजनीति से मुक्त पत्रकारिता की कल्पना नहीं की थी। वह और एनटीआर दोनों ही कम्मा थे, जो रेड्डी–प्रभुत्व वाली कांग्रेस के खिलाफ एक प्रमुख, गैर–ब्राह्मण जाति समूह था, और वह राजनीतिक लड़ाई लड़ने के लिए अपने मीडिया का उपयोग करने में आनंद लेते थे, विशेष रूप से कांग्रेस के खिलाफ। इसके परिणाम हुए और राव को आंध्र प्रदेश के 14वें मुख्यमंत्री वाई. एस. राजशेखर रेड्डी के रूप में अपना प्रतिद्वंद्वी मिला। वाईएसआर ने राव की गर्दन की तलाश की और उसे चिट फंड, मार्गदर्शी में पाया।

बच्चों को सोचने और सवाल उठाने के लिए प्रोत्साहित करें

आदित्य

भारत में हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव बहुत नाटकीय ढंग से हुए और यद्यपि हम प्रिंट मीडिया और टीवी चौनलों पर भरोसा नहीं कर सकते थे, लेकिन सोशल मीडिया ने हमें बहुत प्रभावित किया और हमारा मनोरंजन भी किया। मैं इस पूरी अवधि के दौरान न्यूयॉर्क में था और डोनाल्ड ट्रम्प के ष्चुप रहने के लिए पैसे के मामलेष के मुकदमे के इर्द–गिर्द चल रही राजनीतिक कहानी ने मुझे आकर्षित किया। यह एक नशे की लत मिनी धारावाहिक की तरह था और अंततः पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति को उन सभी 34 मामलों में दोषी घोषित किया गया, जिनके लिए उन पर आरोप लगाए गए थे। अमेरिकी इतिहास में यह पहली बार है कि कोई अपराधी व्हाइट हाउस का उम्मीदवार होगा।

नाटक का एक और क्षेत्र गाजा युद्ध का मुद्दा था, जबकि अमेरिकी इजरायल को शक्तिशाली हथियार दे रहे थे। मैंने विभिन्न अमेरिकी परिसरों में अशांति और स्नातक समारोहों में विदाई भाषण देने वालों के उग्र भाषणों के बारे में पढ़ा। इसके बाद, मैंने हार्वर्ड को कम बोलना चाहिए। शायद सभी स्कूलों को ऐसा करना चाहिएष शीर्षक से एक प्रमुख राय वाला लेख पढ़ा (हार्वर्ड में कानून और दर्शन के प्रोफेसर नूह फेल्डमैन और एलिसन फेल्डमैन द्वारा लिखित)।

अब इस पर एक बड़ा विवाद है क्योंकि कॉलेज और विश्वविद्यालय अपने स्कूल और राष्ट्र की नीति के खिलाफ खुलकर बोलने, असहमति जताने और सार्वजनिक रूप से बोलने या लिखने के अपने अधिकार की रक्षा करते हैं। हाल ही तक, भारतीय केंद्र सरकार की नीति की किसी भी आलोचना को ष्देशद्रोहीष और ष्राष्ट्र–विरोधीष माना जाता था, लेकिन लोकतंत्र की परिभाषा में चर्चा, मतभेद, तर्क और सक्रियता शामिल है। पहले के विरोधों के बावजूद, हार्वर्ड ने फैसला किया है कि आधिकारिक बयान के मुद्दे को नियंत्रित करने वाली औपचारिक नीति की अनुपस्थिति में, विश्वविद्यालय के नेता ष्विश्वविद्यालय के मूल कार्य को बढ़ावा देने और उसकी रक्षा करने के लिए सार्वजनिक रूप से बोल सकते हैं और बोलना चाहिए, जो अनुसंधान, छात्रवृत्ति और शिक्षण के माध्यम से सत्य की खोज के लिए उपयुक्त वातावरण बनाना हैष। हालाँकि, इजराइल या यूक्रेन या रूस का पक्ष लेना या गाजा के प्रति सहानुभूति दिखाना उनका काम नहीं है। विश्वविद्यालय एक ध्रुवीकृत दुनिया में सार्थक रूप से मौजूद रहने की आवश्यकता को समझते हैं।

जहाँ तक भारत में हमारे स्कूलों का सवाल है, मीडिया कभी भी स्कूलों में होने वाली चर्चाओं और तर्कों को प्रकाशित नहीं करता है, और मुझे यकीन है कि ऐसे स्कूलों में ऐसी बातचीत को हतोत्साहित नहीं किया जाता है जो चाहते हैं कि उनके छात्र खुद सोचें। सत्य की खोज शिक्षा का केंद्रीय स्तंभ है और एक स्कूल को अपनी शिक्षाओं को निर्धारित पाठ्यक्रम सामग्री तक सीमित नहीं रखना चाहिए।

मुझे डर है कि जब इतिहास, नागरिक शास्त्र, समाजशास्त्र या यहां तक ध्धकि राजनीति विज्ञान जैसे सामाजिक विज्ञान विषयों की बात आती है, तो छात्रों को आमतौर पर केवल वही तथ्य पढ़ाए जाते हैं जो उनके पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों से संबंधित होते हैं और टिप्पणियाँ निर्धारित पाठ्यक्रम पुस्तकों में उल्लिखित विषयों तक ही सीमित होती हैं। यदि अलग–अलग विचारों पर कोई चर्चा होती भी है, तो छात्र वही प्रस्तुत करते हैं जो वे घर पर सुनते हैं। यदि कक्षा में अलग–अलग दृष्टिकोण हैं, तो शिक्षक तटस्थ दिखना पसंद करते हैं। वे चीजों को कूटनीतिक तरीके से समझाते हैं, जिससे विभिन्न पक्षों को खुश रखा जा सके। मैंने अभी तक स्कूल के शिक्षकों को अपने राजनीतिक विचारों को जोरदार तरीके से प्रस्तुत करने या स्कूली छात्रों को अपने शिक्षकों के साथ शक्तिशाली तरीके से बहस करते नहीं सुना है। महत्वपूर्ण या विवादित नीतियों पर चर्चा का पूर्ण अभाव हमारे शिक्षण और सीखने के दृष्टिकोण में एक बड़ी खामी है। यदि, मोटे तौर पर, शिक्षा को सत्य की खोज के रूप में लिया जाता है, तो चर्चा और मतभेदों को समायोजित किया जाना चाहिए, अन्यथा हम ऐसे छात्रों का पोषण करते हैं जिन्होंने दूसरों द्वारा स्थापित और संप्रेषित ज्ञान को निष्क्रिय रूप से प्राप्त किया है और उन्हें स्वतंत्र रूप से ज्ञान को संसाधित करने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया गया है।

इस प्रकार, युवा और वृद्ध लोगों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे स्वयं प्रश्न करते रहें, चिंतन करें और सत्य की खोज करें। इस बारे में सोचते हुए, मैं कभी–कभी इस निष्कर्ष पर पहुँचता हूँ कि सबसे महत्वपूर्ण गुण जो किसी के पास हो सकता है, वह है साहस – लोगों के सामने खड़े होने का साहस, कुछ अलग कहने का साहस, भीड़ में शामिल न होने का साहस और सत्ता में बैठे लोगों द्वारा दिमाग न धोए जाने का साहस (और बुनियादी सामान्य ज्ञान)।

स्कूल के संदर्भ में, शायद एक महत्वपूर्ण चेतावनी शामिल करना महत्वपूर्ण है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि ये चर्चाएँ और तर्क ऐसे माहौल में हों जो सोचने और सीखने के लिए अनुकूल हो। शायद यह चिंता है कि कक्षाएँ युद्ध के मैदान में बदल जाएँगी, गुटबाजी उभरेगी और अंततः सद्भाव नष्ट हो जाएगा, जो स्कूलों को स्कूल में राजनीतिक चर्चाओं की अनुमति देने के बारे में अतिरिक्त सतर्क बनाता है। हालाँकि, अगर पूरी प्रक्रिया को शिक्षा प्रणाली के हिस्से के रूप में लिया जाता है और शिक्षक संघर्ष को प्रबंधित करने के साथ–साथ चर्चाओं को सुविधाजनक बनाने में कुशल होते हैं, तो स्कूल एक समृद्ध शिक्षण मैदान बन जाएगा जहाँ बच्चे निष्क्रिय रूप से जानकारी प्राप्त नहीं करेंगे या अपने आस–पास के वयस्कों की मान्यताओं को बिना सवाल किए स्वीकार नहीं करेंगे।

लोकतंत्र में राष्ट्र निर्माण जिम्मेदार नागरिकों के विकास से शुरू होता है और इसकी आधारशिला चर्चा, तर्क, आम सहमति और मतभेदों को स्वीकार करना है। अगर इन प्रथाओं को स्कूल में नहीं अपनाया जाता है, तो हमारा राष्ट्र परिपक्व नहीं होगा जहाँ संसद में सभ्य बहस होती है, राजनीतिक विरोधियों को दुश्मन नहीं समझा जाता, व्यक्तिगत हमले नहीं किए जाते और नफरत भरे भाषणों का सहारा नहीं लिया जाता।

हमें अपने लोकतंत्र पर गर्व होना चाहिए और अपने आम नागरिकों पर गर्व होना चाहिए, जिन पर कई मामलों में सिर्फ चुनावों से पहले ही ध्यान दिया जाता है। हालाँकि, यह जरूरी है कि युवा लोगों को न केवल स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस मनाने या खेल प्रतियोगिताओं में भारतीय टीम का समर्थन करने के जरिए जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए शिक्षित किया जाए, बल्कि उनमें से कई को देश के वास्तविक शासन में भाग लेने की इच्छा भी होनी चाहिए। भारत को योग्य और ईमानदार राजनीतिक नेताओं की जरूरत है।

यह सिर्फ परिवार का झगड़ा

शेखर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी के बीच क्या गड़बड़ हुई है? वैसे तो कुछ खास नहीं है, लेकिन शायद संघ को लगता है कि प्रधानमंत्री मोदी के व्यक्तित्व ने नुकसान पहुंचाया है और वरिष्ठ पार्टी नेताओं ने भाजपा के कई उम्मीदवारों के बारे में चेतावनियों की अनदेखी की, जिसके कारण वे हार गए, खासकर उत्तर प्रदेश में। इसके अलावा, कहा गया है कि मोदी ने पिछले सात–आठ साल से संघ के नेताओं से सलाह लेना भी बंद कर दिया है। मोदी की विराट शख्सियत ने संघ नेताओं के लिए कोई गुंजाइश ही नहीं छोड़ी कि वे कोई मुद्दा उनके सामने उठाएं। यही वजह है कि संघ प्रमुख मोहन भागवत ने लोकसभा में भाजपा के बहुमत हासिल नहीं करने पर अपनी पहली सार्वजनिक टिप्पणी में कहा कि एक सच्चे सेवक को श्अहंकारश नहीं होना चाहिए। और दूसरों को नुकसान पहुंचाए बिना अपना काम करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि तीखे चुनाव प्रचार के दौरान श्मर्यादा का ख्याल नहीं रखा गया। हालांकि संघ के भीतर के कई लोगों ने संकेत देने की कोशिश की कि उनकी टिप्पणियां केवल मोदी और भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व पर ही नहीं थीं। आम तौर पर संघ रोजमर्रा के राजनीतिक मामलों से दूर दिखना चाहता है और वह 2025 में अपनी स्थापना के सौ वर्ष पूरे होने पर अपना जनाधार बढ़ाने में व्यस्त है। कुछ संघ कार्यकर्ता राष्ट्र एवं राज्य स्तरीय संगठन सचिव या संयुक्त संगठन सचिव के रूप में भाजपा के लिए काम करते हैं। ये कार्यकर्ता पूर्णकालिक होते हैं और उन्हें 'प्रचारक' कहा जाता है। मोदी स्वयं संघ के प्रचारक थे और भाजपा संगठन में सचिव के पद पर थे। भाजपा और संघ के बीच प्रकटतः न तो हितों का टकराव रहा है और न ही सत्ता संघर्ष रहा है, क्योंकि वे अलग–अलग क्षेत्रों में काम करते हैं। बताया जाता है कि संघ नेतृत्वघ्समझता है कि राजनीति की अपनी मजबूरियां होती हैं और भाजपा उनका पालन करने के लिए स्वतंत्र है। संघ न तो शासन–प्रशासन और न ही भाजपा की राजनीतिक गतिविधियों में दखल देने की बात कहता है। केंद्रीय भाव यह है कि वह वैचारिक मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है और आगे भी निभाता रहेगा। लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान संघ ने चुप्पी साधे रखी, जबकि ऐसी खबरें भी आईं कि प्रचारक मतदाताओं को एकजुट करने में उत्साह नहीं दिखा रहे हैं। हालांकि भाजपा के बहुमत से चूक जाने के तुरंत बाद आलोचनात्मक स्वर उभरे। भागवत की यह टिप्पणी ऐसे समय आई, जब इस बात को लेकर काफी चर्चा हो रही है कि क्या संघ ने वास्तव में भाजपा से दूरी बना ली है और चुनाव के दौरान दिल से उसका समर्थन नहीं किया? नतीजों के बाद अपनी पहली टिप्पणी में संघ प्रमुख ने प्राथमिकता के आधार पर मणिपुर संघर्ष खत्म करने और सरकार तथा विपक्ष के बीच आम सहमति की आवश्यकता पर बल दिया था। आलोचनाओं का यह सिलसिला यहीं नहीं रुका। संघ नेता इंद्रेश कुमार ने कहा कि भगवान राम ने एक श्अहंकारीश पार्टी को लोकसभा में बहुमत पाने से रोक दिया, जो श्रामभक्तश होने का दावा करती थी। फिर एक संघ विचारक रतन शारदा ने संघ के मुखपत्र 'ऑर्गेनाइजर' में लिखा कि चुनावी नतीजे अति आत्मविश्वासी भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए शरियलिटी चेकश थे। उन्होंने दावा किया कि भाजपा नेतृत्व ने चुनाव में सहयोग के लिए संघ के स्वयंसेवकों से संपर्क नहीं किया। संघ के कई नेता भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से नाराज थे, जिन्होंने चुनाव से पहले कहा था कि भाजपा को संघ की जरूरत नहीं है। उनका मानना था कि इससे संघ कार्यकर्ताओं का मनोबल गिरा है। देखा जाए तो प्रधानमंत्री के रूप में अटल बिहारी वाजपेयी के विपरीत मोदी को पिछले दस वर्षों में संघ से कोई बड़ी समस्या नहीं हुई। उन्होंने संघ और भाजपा के लक्ष्यों को पूरा किया, जिनमें अनुच्छेद 370 हटाना और अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण जैसे बड़े मुद्दे शामिल हैं। वाजपेयी के श्उदारवादीश रवैये पर केएन गोविंदाचार्य ने टिप्पणी करते हुए उन्हें संघ का मुखौटा कहा था, (हालांकि वह लगातार इस बयान से इन्कार करते रहे)। जाहिर है, वाजपेयी ने उस टिप्पणी के लिए गोविंदाचार्य को कभी माफ नहीं किया और धैर्यपूर्वक सही समय का इंतजार किया। और फिर, गोविंदाचार्य को इस तरह निर्वासित कर दिया कि वे कभी वापस नहीं आए। लेकिन मोदी संघ का मुखौटा नहीं हैं।घ्वास्तव में वे संघ की विचारधारा के सबसे अच्छे उत्पादों में से एक हैं। साथ ही, मोदी एक ऐसे नेता हैं, जो 2024 के नतीजों को भूलने वाले नहीं हैं। वे विस्तार से पता लगाएंगे कि नतीजे भाजपा के लिए अच्छे क्यों नहीं रहे। इसलिए गहनता से देखें, तो मोदी और संघ के बीच कोई मूलभूत द्वंद्व नहीं है। 1980 के दशक में संघ ने मोदी को भाजपा को सौंपा था और वह प्रधानमंत्री बने। हां, यह जरूर है कि भाजपा के साथघ्मोदी की छवि 'लार्जर देन लाइफ' है। ऐसे में, भले ही भाजपा लोकसभा में बहुमत पाने से चूक गई हो, लेकिन पार्टी पर उनकी पकड़ और मतदाताओं पर उनके प्रभाव को आसानी से खारिज नहीं किया जा सकता। दरअसल, जब भी भाजपा की स्थिति थोड़ी कमजोर होती है, तो बाहर–भीतर के आलोचक संघ–भाजपा के बीच सत्ता–संघर्ष की काल्पनिक कहानी गढ़ने लगते हैं। संघ अपने 36 संगठनों के माध्यम से 60,000 दैनिक शाखाएं और दो लाख से ज्यादा कल्याणकारी परियोजनाएं चलाने में व्यस्त है। वह 2025 में अपनी स्थापना के सौ वर्ष पूरे होने पर आधार मजबूत करने में जुटा है। भाजपा के कार्यकर्ताओं की संख्या काफी बढ़ गई है और इसमें नेताओं की एक बड़ी जमात है। अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक, मोदी जैसे मजबूत नेता के नेतृत्व में पार्टी खुद को संभालने में सक्षम है और आने वाले दिनों में पार्टी को अपनी दिशा खुद तय करनी है। चुनाव नतीजों के कारण अगर कुछ सुधार की जरूरत पड़ी, तो वह भाजपा खुद करेगी। मोदी इतने सख्त हैं कि खुद के साथ–साथ विफलताओं के लिए जिम्मेदार हर तत्व को कसौटी पर कसेंगे। अंततः जो लोग संघ–भाजपा में सत्ता संघर्ष की उम्मीद कर रहे हैं, उन्हें निराशा होगी।

जनजातीय हितों की अनदेखी न हो

बीपी

बाजारवाद और भौतिकता के दौर में अगर स्थिरता के साथ विकास करना है, तो प्रकृति के साथ–साथ संस्कृति का संरक्षण भी अनिवार्य है। लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग की वजह भी यही है। वहां के लोगों का मानना है कि लद्दाख के प्राकृतिक पर्यावरण और जनजातीय संस्कृति के संरक्षण के लिए स्थानीय परिषदों को स्वायत्तता मिलनी चाहिए, अन्यथा बाह्य हस्तक्षेप से लद्दाख की विशिष्ट संस्कृति के क्षरित हो जाने की आशंका बनी रहेगी। लद्दाख मेंघ्करीब 90 फीसदी जनसंख्या जनजातियों की है। इनमें गुज्जर, बकरवाल, बोट, चंगपा, बाल्टिस और पुरिगपा जनजातियां प्रमुख हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में तनाव और संघर्ष के कारण इन्हें विस्थापित होना पड़ा है, जिससे इन्हें सांस्कृतिक विलगाव और सामाजिक–आर्थिक बहिष्करण जैसी गंभीर समस्याओं से जूझना पड़ता है। लद्दाख में पर्यावरणीय समस्याएं भी गंभीर हैं। वर्ल्ड वेदर ऑनलाइन के अनुसार, जलवायु परिवर्तन के कारण लद्दाख में वर्षा चक्र में व्यापक परिवर्तन हुआ है। लद्दाख के चट्टानी इलाके में बारिश के पानी के संग्रहण की कोई प्राकृतिक व्यवस्था नहीं है। इसलिए यह इसे बाढ़ के रूप में नीचे की ओर धकेलता है। समझना होगा कि लद्दाखवासियों के लिए छठी अनुसूची क्यों जरूरी है? अनुसूचित और जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन के लिए संविधान ने संघ को अनुच्छेद 244 में उत्तरदायी बनाया है। अनुसूचित क्षेत्र ऐसे क्षेत्र हैं, जिन्हें राष्ट्रपति उस राज्य के राज्यपाल से परामर्श के बाद अनुसूचित क्षेत्र घोषित कर सकते हैं। इसके लिए पांचवीं अनुसूची बनाई गई है, जबकि, असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम राज्यों के वे क्षेत्र, जो ऐसे क्षेत्रों के लिए जिला या क्षेत्रीय स्वायत्त परिषदों का प्रावधान करते हैं, जनजातीय क्षेत्र कहलाते हैं। ये चार राज्य छठी अनुसूची में रखे गए हैं। छठी अनुसूची में स्वायत्त परिषदों की स्थापना का प्रावधान है, जिनके पास इन क्षेत्रों पर स्वतंत्र रूप से शासन करने के लिए विधायी, न्यायिक, कार्यकारी और वित्तीय शक्तियां होती हैं। छठी अनुसूची के तहत 10 स्वायत्त परिषदें हैं, जिनमें असम, मेघालय और मिजोरम में तीन–तीन और त्रिपुरा में एक शामिल है। प्रत्येक स्वायत्त जिले के लिए एक स्वायत्त जिला परिषद (एडीसी) की स्थापना की जाती है, जबकि क्षेत्रीय परिषदों (आरसी) की स्थापना वहां की जाती है, जहां मुख्य जनजाति के अलावा अन्य जनजातियों की महत्वपूर्ण आबादी होती है। पांचवीं अनुसूची उस राज्य के राज्यपाल को, जहां अनुसूचित क्षेत्र स्थित हैं, संसद या विधानसभा द्वारा पारित किसी भी कानून को रोकने या संशोधित करने और उन क्षेत्रों में सुशासन के लिए कानून बनाने की शक्ति प्रदान करती है। इसमें राज्यपाल को सलाह देने के लिए जनजातीय सलाहकार परिषदों की भी स्थापना का प्रावधान है। 1996 में पंचायत अधिनियम पारित किया गया।

चीन की उभरती हुई विरासत चिप और भारत के लिए कुछ विचार

आसिफ

चीन की चुनौती वास्तविक है और यह वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चार साल से चल रहे गतिरोध तक सीमित नहीं है। इसकी सर्वव्यापकता हर जगह है और यह केवल भूमि, समुद्री और साइबर डोमेन तक सीमित नहीं है। इसकी वास्तविक महत्ता विरासत और अत्याधुनिक विज्ञान दोनों के क्षेत्र में है। उन्नत प्रौद्योगिकी की उच्च–दांव वाली दुनिया में, अत्याधुनिक तकनीक पर ध्यान केंद्रित करना आसान है – कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम कंप्यूटिंग और 5ळ नेटवर्क में नवीनतम सफलताएँ। लेकिन जैसे–जैसे अमेरिका और चीन तकनीकी वर्चस्व के लिए भीषण लड़ाई में लगे हैं, इस संघर्ष में एक महत्वपूर्ण मोर्चा काफी हद तक अनदेखा हो रहा है – विरासत अर्धचालक। विरासत चिप्स, जिन्हें परिपक्व नोड अर्धचालक के रूप में भी जाना जाता है, आधुनिक दुनिया के अनसुने कार्यकर्ता हैं। बहुत सारे कंप्यूटर चिप्स अग्रणी नहीं हैं। वे ष्विरासतष, ष्अनुगामीष या ष्आधारभूतष चिप्स हैं। 14 नैनोमीटर या उससे बड़े ट्रांजिस्टर के साथ, ये

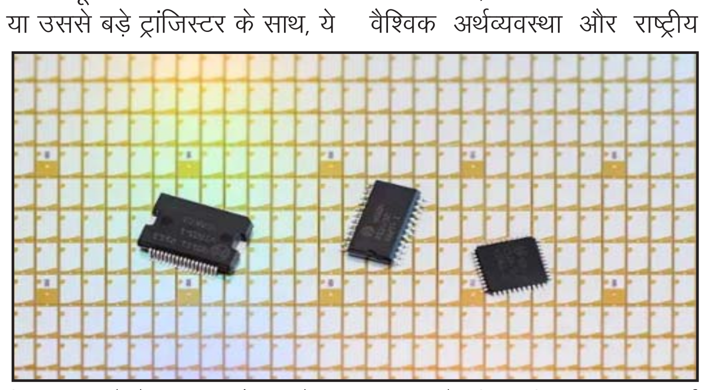

चिप्स ऑटोमोबाइल और घरेलू उपकरणों से लेकर फैक्टरी उपकरण, चिकित्सा उपकरण और यहाँ तक कि सैन्य प्रणालियों तक सब कुछ संचालित करते हैं। जैसा कि रोडियम समूह ने कहा, ष्वे सर्वव्यापी हैं इसलिए वे आवश्यक हैं।ष हो सकता है कि उनमें अपने अत्याधुनिक समकक्षों की तरह चर्चा और आकर्षण की कमी हो, लेकिन विरासत चिप्स वैश्विक अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बिल्कुल महत्वपूर्ण हैं।

इन चिप्स का महत्व यूक्रेन में स्पष्ट रूप से दर्शाया गया था, जहाँ जब्त किए गए रूसी सैन्य उपकरणों में डिशवॉशर और रेफ्रिजरेटर से निकाले गए सेमीकंडक्टर भरे हुए पाए गए थे। यह एक स्पष्ट अनुस्मारक है कि सबसे उन्नत सेनाएँ भी विरासत चिप्स की स्थिर आपूर्ति पर निर्भर करती हैं।

यही कारण है कि दुनिया को इस महत्वपूर्ण क्षेत्र पर हावी होने के लिए चीन के आक्रामक प्रयास के बारे में गहराई से चिंतित होना चाहिए। पिछले कुछ वर्षों में, चीन आत्मनिर्भरता और वैश्विक श्रेष्ठता प्राप्त करने के लक्ष्य के साथ विरासत चिप उत्पादन में चौंका देने वाली रकम लगा रहा है। 2022 में, चीनी फाउंड्रीज ने पहली बार 10 प्रतिशत वैश्विक बाजार हिस्सेदारी हासिल की। 2027 तक, चीन को विरासत चिप बाजार के चौंका देने वाले 39 प्रतिशत को नियंत्रित करने का अनुमान है। इस तेजी से बढ़ते विस्तार को भारी सरकारी सब्सिडी से बढ़ावा मिल रहा है, जिसने चीनी फर्मों को तेजी से आगे बढ़ने और विदेशी प्रतिस्पर्धियों को मात देने की अनुमति दी है। यह रणनीति बिल्कुल वैसी ही है जैसे चीन ने सोलर पैनल और 5 जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर कब्जा किया – सस्ते, सब्सिडी वाले उत्पादों से बाजार को भर दिया और बाकी सभी को कारोबार से बाहर कर दिया। उद्योग विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि चीनी विरासत चिप निर्माता भी ऐसा ही कर सकते हैं, जिससे बाकी दुनिया इन आवश्यक घटकों के लिए चीन पर अनिश्चित रूप से निर्भर हो जाएगी। इस प्रयास में सबसे आगे सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग इंटरनेशनल कॉरपोरेशन ˆडप्ब्) है, जो चीन की सबसे बड़ी चिप निर्माता कंपनी है। ˆडप्ब् को राज्य के अरबों डॉलर के समर्थन से लाभ हुआ है और वह इस वित्तीय ताकत का उपयोग प्रतिद्वंद्वियों को मात देने और अपने बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए कर रही है। इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि ˆडप्ब् के चीनी सेना के साथ गहरे संबंध हैं, जैसा कि रक्षा विशेषज्ञ जेम्स मुलवेनन की एक रिपोर्ट में बताया गया है। इससे पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला के एक महत्वपूर्ण हिस्से पर नियंत्रण हासिल करने का खतरा बढ़ जाता है। भारत के लिए, चीन की विरासत चिप महत्वाकांक्षाएँ विशेष रूप से कठिन चुनौती पेश करती हैं क्योंकि वह अपना स्वयं का सेमीकंडक्टर उद्योग बनाने की दौड़ में है। भारत सरकार ने नए चिप निर्माण संयंत्रों या फैब्स के निर्माण के लिए 15 बिलियन डॉलर निर्धारित किए हैं। लेकिन ये फैब्स ऐसे बाजार में प्रवेश करेंगे, जो सस्ते चीनी चिप्स की बाढ़ के कारण पहले से ही अधिक आपूर्ति वाला है। 15 बिलियन डॉलर का फंड चीन के 40 बिलियन डॉलर के राज्य समर्थित फंड की तुलना में बहुत कम है। लीगेसी फैब्स के लिए उपयोग दरों में गिरावट और मार्जिन में कमी के साथ, भारत की नई सुविधाओं के लिए सरकारी सहायता के साथ भी प्रतिस्पर्धा करना बहुत मुश्किल होगा। इसके अलावा लीगेसी चिप्स के लिए चीन की वर्तमान और अनुमानित उत्पादन क्षमता भारत की तुलना में काफी बड़ी है, जिसमें 2025–2026 तक प्रमुख सुविधाओं के उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। यदि आप संख्याओं को देखें तो यह आश्चर्यजनक है कि चीन का एकीकृत सर्किट उत्पादन 40 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड तोड़ 98.1 बिलियन यूनिट तक पहुँच गया। विचार करने के लिए परेशान करने वाले सुरक्षा निहितार्थ भी हैं। जांच में पाया गया है कि एक दर्जन से अधिक भारतीय फर्म खरीद नियमों का उल्लंघन करते हुए सरकार को महत्वपूर्ण प्रणालियों में चीनी निर्मित माइक्रोचिप्स बेच रही हैं। कारों, लैपटॉप और बुनियादी ढांचे में छिपे चीनी चिप्स का भूत एक गंभीर कमजोरी है जिसका इस्तेमाल निगरानी या तोड़फोड़ के लिए किया जा सकता है। भारत का 2020 का मुंबई ब्लैकआउट, पावर ग्रिड के चीनी–निर्मित घटकों में सेंध से जुड़ा था। निश्चित रूप से, भारत के पास कुछ प्रमुख लाभ हैं जिनका वह विरासत चिप दौड़ में लाभ उठा सकता है। देश में एक मजबूत चिप डिजाइन इकोसिस्टम है जिसका उपयोग विशेष अर्धचालक विकसित करने के लिए किया जा सकता है।

कार्यालय ग्राम पंचायत खलीलपुर, विकास खण्ड–सिरकोनी, जौनपुर

पत्रांक– मेमो/ग्रा0पं0म0/ दिनांक 18.06.2024

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/15वां केन्द्रीय वित्त आयोग/ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्यों के लिए निम्निलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 18.06.2024 से 25.06.2024 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपराह्न दो बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सीलबन्द निविदा जमा कर सकते है जो दिनांक 26.06.2024 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष सुबह 11 बजे खोली जायेगी। निविदा फार्म पैड पर होगी।

क्र0सं0	परियोजना का नाम	मात्रा	दर
1	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईट	प्रति हजार	
2	सीमेंट	प्रति बैग	
3	मोरंग बालू, महीन बालू, गंगा बालू	प्रति घन मी0	
4	स्टोन ब्लास्ट, डाला गिट्टी, पत्थर गिट्टी 20 एम.एम. से 53 एम.एम. तक ईट गिट्टी 20 एम.एम./42एम.एम.	प्रति घन मी0	
5	सरिया विभिन्न साइज	प्रति कुन्तल	
6	करकर/एसबेस्टर सीट,पैनल आयरन, समरसेबुल, बोरिंग प्लेटफार्म सहित	प्रति नग	
7	पैक्र्स ब्लाक ईट/इण्टरलाकिंग ईट/जागजेडा इण्टरलाकिंग ईट	प्रति हजार	
8	सोलर लाईट/विद्युत सामग्री/स्ट्रीट लाईट/हाइमास्क सोलर लाईट	प्रति नग	
9	शौचालय निर्माण सामग्री/पंचायत भवन निर्माण सामग्री		
10	ह्यूम पाइप 150एम.एम. 300एम.एम. 350एम.एम. 600एम.एम. 800एम.एम. NP3	प्रति मी0	
11	ढ़क्कनदार नाली निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री आवश्यकतानुसार		
12	गिट्टी की भराई, समतलीकरण का कार्य	प्रति घन मी0	
13	सफाईकर्मी स्वच्छता किट/सेनेटाइजर,डस्टबीन सहित अन्य संबंधित सामग्री	प्रति नग	
14	कटीला तार एवं ईगल/प्रिकास्ट कंकरीट बेंच	प्रति नग	
15	जिम से संबंधित सामग्री/इण्डिया मार्क–2 हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री/रिबोर	प्रति नग	
16	मैदान के सुन्दरीकरण हेतु घास	प्रति धन मी0	
17	चूना, पेन्ट इत्यादि	प्रति नग	
18	वाल पेटिंग व प्रचार–प्रसार	प्रति वर्ग मी0	
19	विडियो कैमरा, दिशासूचक बोर्ड/पब्लिक अड्रेस सिस्टम,स्कूल के लिए डेक्स व बेंच।	प्रति नग	
20	गौशाला में चूना–चोकर, भूसा, मनरेगा पार्क में खेलकूद, जिम, झूला व अन्य सामग्री।		
21	हैण्डपम्प की निष्प्रयोज्य सामग्री की खुली नीलामी		

प्रतिबन्ध एवं शर्तें– सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के बाद निर्धारित की जायेगी। आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नहीं। सामग्री की मात्रा घटायी या बढ़ायी जा सकती है। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृत दर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा 50 रू0 के स्टाम्प पेपर पर बॉण्ड भरना अनिवार्य होगा तदोपरान्त आपूर्ति किया जायेगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य तथा आयकरदाता हो प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. के स्वीकृत दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा में की जानी अनिवार्य होगी। सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में चिह्नित होगा।

प्रधान
मनोज यादव

ग्राम पंचायत अधिकारी/ग्राम सचिव
नीरज श्रीवास्तव

हम सभी योग को जीवन में उतारे - कुलपति

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस सप्ताह के अंतर्गत बुधवार को शहर के शाही किले में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जिला प्रशासन एवं समाजसेवी संस्थाओं के सहयोग से योगासन का कार्यक्रम आयोजित किया गया. योग प्रशिक्षक जय सिंह प्रतिभागियों को योग कराया। उन्होंने योग और नशा मुक्त जीवन जीने में योग की भूमिका को जीवन में उतारने के लिए शपथ भी दिलाई। इस अवसर पर कुलपति प्रो वंदना सिंह ने कहा कि हम सभी योग को जीवन में उतारे. योग से शरीर के विकारों एवं व्याधियों को दूर करने में मदद मिलती है. योग हमारे मन और तन दोनों को स्वस्थ रखता है. उन्होंने कहा कि आज पूरा विश्व योग के महत्व को समझ गया. कुलपति ने समस्त सम्बद्ध महाविद्यालयों के प्रबंधक एवं प्राचार्यों को योग को नियमित दिनचर्या में रखने की अपील भी की. नोडल अधिकारी डॉ मनोज कुमार पांडेय ने बताया कि बुधवार को योग एवं इसके विविध लाभ पर आधारित पोस्टर, निबंध एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया.

इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक अजीत सिंह, प्रो अजय द्विवेदी, प्रो विक्रम देव शर्मा, प्रो गिरिधर मिश्रा, उप कुलसचिव बबिता सिंह,डॉ रसिकेश, डॉ आशुतोष कुमार सिंह,डॉ विनीता सिंह, डॉ अमरेंद्र कुमार सिंह,डॉ विजय तिवारी, डॉ अनुराग मिश्र, डॉ लक्ष्मी मौर्य, राजनारायण सिंह, डॉ विद्युत मल्ल, आदि उपस्थित रहे।

कैलाश ईएनटी पेन क्लीनिक सेंटर शक्तिनगर पर सम्पन्न हुआ विशाल भंडारा

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। शहर के शक्तिनगर कालोनी स्थित कैलास ईएनटी पेन क्लीनिक सेंटर पर ज्येष्ठ मास के चौथे मंगलवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे का शुभारंभ शहर के प्रसिद्ध समाजसेवी कैलाल लाल श्रीवास्तव व उनकी पत्नी बालेश श्रीवास्तव ने बजरंग बली के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया।उसके पश्चात क्लीनिक के ईएनटी स्पेशलिस्ट डॉ गौरव श्रीवास्तव व उनकी पत्नी डॉ रिद्धिमा श्रीवास्तव वहां पर भारी संख्या में मौजूद बजरंग बली के भक्तजनों को भंडारे का प्रसाद वितरित करते हुए दिखाई दे रहे थे।वही वहां पर हनुमान चालीसा, बजरंग बाण सहित एक से बढ़कर एक भक्तिपूर्ण भजनों से वहा का वातावरण पूरी तरह से भक्तिमय हो रहा था। वही सभी भक्तजन वहां पर भंडारे में प्रसाद को बहुत ही श्रद्धा पूर्वक से ग्रहण कर रहे थे।इस मौके पर 'डॉ गौरव श्रीवास्तव, डॉ रिद्धिमा श्रीवास्तव के अलावा डॉ प्रवीण श्रीवास्तव,देश की उपासना जिला संवाददाता अयोध्या डॉ अजय तिवारी, डॉ सुजीत मौर्या,पंकज वर्मा, चंद्रेश, सत्येंद्र पाठक,शालू, प्रीती, विजय सहित भारी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

तीन तलाक व हलाला का प्रयास के मामले में महिला समेत पांच लोगों के खिलाफ एफ आई आर दर्ज

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नगर कोतवाली थाना अंतर्गत पुलिस ने एक बार फिर तीन तलाक देने के बाद हलाला का प्रयास करने के मामले में महिला समेत पांच लोगों के खिलाफ एफ आई आर दर्ज किया है।रविवार को पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में पीड़िता ने बताया कि कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला ख्वाजगी टोला निवासिनी अंजुम निशा पुत्री स्वर्गीय मुजफ्फर अली का विवाह मुस्लिम रीति रिवाज से 2 जुलाई वर्ष 2015 को मोहम्मद वाजिद पुत्र मोहम्मद अयूब निवासी ताड़तला के साथ हुआ था। शादी वाले ही दिन ससुराल के लोग फ्रिज एसी डबल बेड आदि सामान दहेज में मांगने लगे। मायके वालों ने इतना सामान देने में असमर्थता जताया तो ससुराल वाले बिना विदाई कराए चले गए। कुछ दिन बाद से ही पति मायके में आकर रहने लगे। इसी बीच वह गर्भवती हो गई। ससुराल वाले जबरदस्ती मेरी इच्छा के विरुद्ध जबरदस्ती दवा देकर 6 माह का गर्भ गिरवा दिया। ससुराल वालों की हद तो तब हो गई जब 15 जून को पीड़िता अपनी मां बहन भाई अन्य लोगों के साथ ससुराल जाकर विदाई की बात करने गए तो उसी समय इन लोगों के सामने पति मोहम्मद वाजिद ने एक बार में ही तीन बार तलाक तलाक तलाक बोलकर तलाक दे दिया। विवाहिता के साथ समझाने गए लोग इस बात को सुनकर दंग रह गए। और ससुराल वालों को समझाने बुझाने का प्रयास किया। इसी बीच में पति ने बोला कि तुम मेरे छोटे भाई मोहम्मद वारिस से निकाह करके हलाला करवाओ फिर बाद में हम तुमसे निकाह पढ़ा लेंगे। और विवशता महिला पर जबरदस्ती हलाल करने का प्रयास करने लगे। विवाहिता ने इसका विरोध किया तो पति मोहम्मद वाजिद देवरा मोहम्मद वारिस ससुर मोहम्मद अयूब नंद समरीन आफरीन गंदी गंदी गालियां देते हुए विवाहिता को मारने लगे। इसी बीच ससुर ने ललकारा की इसको जान से मार कर खत्म कर दो सारा झगड़ा ही खत्म हो जाएगा। पुलिस मामले की छानबीन करने में जुट गई है। इस मामले में सोमवार वको जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकार सदर देवेश कुमार सिंह ने बताया।

इनायत नगर पुलिस ने वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

अयोध्या। इनायत नगर पुलिस ने पुलिस की गिरफ्त से फरार चल रहे वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया।इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रभारी निरीक्षक थाना इनायत नगर अभिमन्यु शुक्ला ने बताया कि इधर काफी दिनों से उच्चाधिकारियों की निर्देश पर क्षेत्र मे सक्रिय अपराधियों पर अंकुश लगाने का अभियान चलाया जा रहा है।इसी अभियान के तहत उप निरीक्षक सौरभ सिंह व प्रशिक्षु उप निरीक्षक वीरेंद्र सिंह ने वांछित आरोपी अरुन कुमार पुत्र मुन्दर उम्र निवासी ग्राम रुरु खास (केवटहिया) थाना बीकापुर जनपद अयोध्या को गिरफ्तार किया।

कोल्ड स्टोरेज में अमोनिया गैस के ब्लास्ट से मचा हड़कंप, फायर

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। मंगलवार को देर शाम साढ़े दस बजे अचानक फायर विभाग को सूचना मिली कि थाना रौनाही क्षेत्र में स्थित चिर्रा जगनपुर के समीप मन्नत ढाबा के बगल नूर कोल्ड स्टोरेज में अमोनिया गैस से ब्लास्ट हो गया है।जिसमें एक आदमी चौथी मंजिल पर कमरे में जीवित फंसा हुआ है। जिसके चलते वहां आसपास के इलाकों में हड़कंप मच गया। आनन– फानन में लोगों ने इस घटना की सूचना फायर विभाग को दिया। इसकी सूचना मिलते ही फायर स्टेशन पुलिस लाइन के फायर यूनिट में तैनात फायर कर्मियों के साथ सीएफओ एमपी सिंह,अग्निशमन अधिकारी नागेन्द्र प्रसाद द्विवेदी, अग्निशमन द्वितीय अधिकारी प्रदीप कुमार पाण्डेय ने तत्काल घटनास्थल पर पहुंच कर एक बड़ी घटना होने से बचा लिया।बताते चलें कि वहां पर पहुंच कर फायर विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों ने अपने सूझबूझ व स्थानीय लोगों की मदद से बड़ा हादसा होने से बचा लिया। इस संबंध में सीएफओ एमपी सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या वहां पर पहुंच कर फायर मैन अनिल यादव व सूर्य कुमार यादव ने सबसे पहले बीए सेट पहनकर चौथी मंजिल पर जाकर बंद कमरे में फंसे व्यक्ति को बीए सेट पहनाकर जीवित सकुशल बाहर निकाला।इनके अलावा इस मौके पर बचाव कार्य करने में जयमूर्ति यादव,राम प्रसाद पांडे, हृदयनाथ विश्वकर्मा,विपिन कुमार,सिकंदर,अनिल यादव,सूर्य कुमार यादव,विवेक निषाद,सुनील तिवारी व सौरभ यादव का सराहनीय योगदान रहा।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई नगर निकायों की समीक्षा बैठक

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना) आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में नगर निकायों की बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी नालों की सफाई का कार्य जल्द पूरा किया जाये। उन्होंने साफ किये गए नालों की सफाई का सत्यापन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वार्ड सदस्यों के साथ इस सम्बन्ध में बैठक कर ली जाये। बारिश में नालों के चोक होने की दशा में सम्बंधित अधिशासी अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। सभी नगर पालिकाओं में सीसीटीवी लगवाए जाएं जिसका कंट्रोल जिला स्तर पर भी बनाया जाये। अधिशासी अधिकारियों द्वारा प्रतिदिन सुनी जाने वाली शिकायतों को सूचीबद्ध किया जाये। नगरीय क्षेत्रों में पेयजल की व्यवस्था को निर्बाध रखा जाये। अवश्यक्तानुसार हैण्ड पम्पो को रिबोर कराया जाये। नगरीय क्षेत्रों जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाई जाये। जल भराव की समस्या के निदान के उपाय सुझाने के लिए अधिशाषी अभियंता जल निगम नगरीय, अधिशाषी अभियंता सिंचाई व पीडब्लूडी की एक तीन सदस्यीय समिति गठित की जाये। किसी भी जगह पेयजल की समस्या न होने दी जाये। सभी एमआरएफ सेंटरों को सक्रिय अवस्था में रखा जाये। खराब लाइट ठीक करायी जाएं। सफाई की व्यवस्था को बेहतर रखा जाये। कचरा संग्रह केंद्रों को व्यवस्थित किया जाये। गौशालाओं में भुगतान को लंबित न रखा जाये। यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाएं। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह, समस्त अधिशाषी अधिकारी व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क पर बने गड्ढे के चलते बाइक पर सवार महिला की मौत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नगर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला नखास सद्भावना पुल के निकट सड़क पर बने गड्ढे के चलते बाइक पर सवार महिला की मौत हो गई। खुटहन थाना क्षेत्र के बिशहुर गांव निवासी विनय कुमार पांडे अपनी पत्नी विभा पांडे 40 वर्ष के साथ आवश्यक कर से जौनपुर आए हुए थे। बुधवार दिन के लगभग 10रू00 बजे वह सद्भावना पुल से ओलंदगंज जा रहे थे कि इस समय सड़क पर रहे एक गड्ढे में उनकी बाइक चली गई। पीछे बैठी महिला असंतुलित बाइक से गिरकर वह गंभीर रूप से घायल हो गई। एक ही बाइक पर तीन सवार थे इसीलिए बाइक और भी संतुलित नहीं हो पाई। महिला को तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। चिकित्सा के अनुसार महिला के सिर में पीछे चोट लगने के कारण उसे हेड इंजरी हो गई थी। शहर कोतवाल मिथिलेश कुमार मिश्र ने कहा कि महिला की लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

डा. राजन तिवारी को विधि विषय में मिली पीएच.डी. की उपाधि

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। दीवानी न्यायालय में अपने परिवार से चौथी पीढ़ी वकालत पेशे से जुड़े डॉ. राजन ने हाल ही में विधि विषय में पीएच. डी. की उपाधि प्राप्त किया है । विदित हो कि डॉ.राजन तिवारी ने अपनी स्कूली शिक्षा सेंट जॉन्स जौनपुर एवं लॉ की पढ़ाई दिल्ली–एनसीआर से पूरी की। उन्होंने लॉ विषय में स्नातकोत्तर भी दिल्ली–एनसीआर से किया है। इसके उपरांत इन्होंने प्रयागराज से विधि विषय में विद्या वाचस्पति (डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी) की उपाधि प्राप्त की । डॉ. राजन ने सूचना प्रौद्योगिकी कानून (इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट) व साइबर लॉ विषय पर शोध कार्य पूर्ण किया हैं। उन्होंने अपने शोध कार्य में साइबर कानून, साइबरस्पेस, इंटरनेट और कंप्यूटिंग के कानूनी पहलुओं कौ दर्शाया है। व्यापक दृष्टिकोण से देखा जाए तो इनका शोध कार्य, साइबर कानून, साइबर फ्रॉड, डिजिटल स्पेस में बौद्धिक संपदा, अनुबंध, अधिकार क्षेत्र, डेटा सुरक्षा कानून, गोपनीयता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे विभिन्न मुद्दों पर आधारित है। डॉ. राजन ने इस उपलब्धि का श्रेय अपनी माता डॉ. संगीता तिवारी, गुरुजनों, परिवार के अन्य सदस्यों एवं मित्रों को दिया।

अभियोजन संबंधी कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ के निर्देश के क्रम में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामअक्षयबर चौहान की अध्यक्षता में अभियोजन से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में अभियोजन कार्यों के स्पीडी ट्रायल, संबंधित मामलों, सामान्य वाद तथा राजस्व से संबंधित वादों की समीक्षा की गई। अपर जिलाधिकारी द्वारा गत माह में दायर मामलों, अन्य मामलो में हुए निर्णय, डिस्पोज्ड मामले सहित पुराने मामलो की पेंडेंसी एवं डिस्पोजल तथा न्यायालयों में निर्णित व विचाराधीन मुकदमों से सम्बन्धित मुकदमों की स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि जितने भी कंटेंप्ट मामले हैं।

अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट द्वारा निशुल्क ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन समारोह संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम मे अग्रणी संस्था अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट द्वारा महिलाओं और बच्चियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 30 दिवसीय ब्यूटी पार्लर कार्यशाला का आयोजन चंदवक के निखार ब्यूटी पार्लर एवं प्रशिक्षण केंद्र में सम्पन्न हुआ! कार्यक्रम का शुभारंभ केराकत उप जिलाधिकारी सुनील कुमार गौतम के द्वारा दीप प्रज्वलित कर के किया गया! कार्यक्रम के स्वागत में अध्यक्ष उर्वशी सिंह ने ट्रस्ट द्वारा निरंतर किए जा रहे कार्यो का संक्षिप्त परिचय दिया! उपजिलाधिकारी सुनील गौतम ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की बच्चियों और महिलाओ को प्रमुखता से प्रशिक्षित करने का कार्य अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट परिवार के द्वारा बहुत ही सराहनीय कार्य है, जिस तरह से ग्रामीण क्षेत्र की बच्चियों और महिलाओ को जागरुक करना और उनके अधिकारों के लिए आगे आकर कार्य करना बहुत ही पुनीत कार्य है, !उप जिला अधिकारी सुनील गौतम के साथ कार्यक्रम की प्रशिक्षिका सरोज गुप्ता और बिट्टू किन्नर के द्वारा सभी बच्चियों एवं महिलाओ को किए गए बेहतर प्रदर्शन के लिए स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया!कुल 5 श्रेणी में प्रतियोगिता रखा गया जिसमें बेस्ट मेकअप के लिए प्रथम स्थान रेखा मौर्य, द्वितीय स्थान निक्की, तृतीय स्थान अराधना गौड़,बेस्ट हेयर कट मे प्रथम स्थान. अंजलि विश्वकर्मा द्वितीय स्थान. खुशी बरनवाल तृतीय स्थान जूही सिंह हेयर डू मे प्रथम स्थान ज्योतिष खरवार, द्वितीय स्थान नेहा नागर तृतीय स्थान सोयम चौरसिया, बेस्ट स्किन में प्रथम स्थान रेखा कुशवाहा, द्वितीय स्थान राजश्री , तृतीय स्थान विजय लक्ष्मी निराला, केमिकल वर्क में प्रथम स्थान पूनम राजभर द्वितीय स्थान अंशिका विश्वकर्मा , तृतीय स्थान दीक्षा जैसवार रही कार्यक्रम में मुख्य रूप से कोषाध्यक्ष नागेंद्र नाथ सिंह, महासचिव राधिका सिंह, अंकित गुप्ता, आदित्य गुप्ता, सत्यम साहू धरमू गुप्ता, शहजादी गुप्ता, दिनेश, उपेन्द्र, डिम्पल, अनूप,कार्यक्रम का संचालन सचिव मीरा अग्रहरी ने किया।

शोधकर्ता छात्र ने फाँसी लगाकर किया आत्महत्या

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नगर कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत रासमण्डल निवासी देवांश श्रीवास्तव 22 वर्ष पुत्र अजेश शक्ति श्रीवास्तव ने 16 जून 2024 रविवार रात अपने आवास के एक कमरे में अवसादग्रस्त अवस्था में फाँसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर लिया। घटना से परिजनों पर ब्रज गिरने समान घटना घटित हुई हैं। घटना के पश्चात परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हुआ है, परिजनों को यकीन ही नहीं हो रहा है कि उनका होनहार देवांश अब नहीं रहा। घटना की सूचना पर मौके से पहुँचे सिपाह चौकी प्रभारी विनोद कुमार अंचल ने उच्चाधिकारियों को घटना की सूचना देते हुए शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज विधिक कार्रवाई में जुटे है। बताया जा रहा हैं कि देवांश शोधकर्ता छात्र रहा है जो आईआईटी परीक्षा भी दिया था, मृतक देवांश के पिता पेशे से अधिवक्ता है।इलाहाबाद हाईकोर्ट में वकालात करते है। जानकारी के अनुसार देवांश ने लाल रंग के दुपट्टे के सहारे पंखे के हुक में फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त की जिस पंखे के हुक में देवांश ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है उस जगह पंखा नही लगा हुआ था। इस संबंध में सोमवार को पूछने पर चौकी इंचार्ज विनोद कुमार आंचल ने बताया कि आत्महत्या की जानकारी मिली थी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सबको कब्जे में लेकर पंचायत नामा के उपरांत पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। आज पोस्टमार्टम के उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया गया है परिजनों द्वारा कोई तहरी नहीं दी गई है। यदि कोई तहरीर प्राप्त होती है तो उसे पर अग्रिम विधि कार्रवाई की जाएगी।

केटीएल वर्कशॉप में शार्ट सर्किट से लगी भीषण आग, 15 कारें जली दमकल की छह गाड़ियों ने पाया काबू

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में चुन्नीगंज स्थित केटीएल के वर्कशॉप में सोमवार तड़के शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग की चपेट में आने से 15 कारें जल गईं। सिक्योरिटी गार्ड की सूचना पर मौके पर पहुंची दमकल की छह गाड़ियों ने दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। चुन्नीगंज चौराहे के पास महेंद्र कुमार अग्रवाल का केटीएल का बड़ा वर्कशॉप है। वर्कशॉप के जनरल मैनेजर गौरव ने बताया

कि सोमवार सुबह करीब पांच बजे वर्कशॉप के बगल में स्थित ट्रांसफार्मर में शॉर्ट सर्किट हुआ और चिंगारी वर्कशॉप के अंदर पहुंच गई। चिंगारी से सबसे पहले कारों को पेंट करने वाले स्थान पर आग भड़की। इसके बाद देखते ही देखते पास में खड़ी कारों को आग ने अपनी चपेट में ले लिया। इस दौरान एक के बाद एक धमाके भी हुए, जिससे आसपास रहने वाले लोगों से लेकर वर्कशॉप में रहने वाले कर्मचारियों में भगदड़ मच गई। सूचना पर पहुंची कर्नलगंज पुलिस ने आसपास के क्षेत्र की घेराबंदी कर दी। वहीं, दमकल की गाड़ियों ने करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया।

हौज पाइप जोड़कर वर्कशॉप तक पानी पहुंचाया

मुख्य अग्निशमन अधिकारी दीपक शर्मा ने बताया कि आग की सूचना पर लाटूश रोड, कर्नलगंज, किदवईनगर व मीरपुर फायर स्टेशन की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई थी। मेट्रो के कार्य की वजह से गाड़ियां को 500 मीटर दूर पहले खड़ा करके कर्मचारियों ने हौज पाइप जोड़कर वर्कशॉप तक पानी पहुंचाया।

15 के आसपास गाड़ियां पूरी तरह से जलीं

वर्कशॉप में खड़ी करीब 15 के आसपास गाड़ियां पूरी तरह से जल गईं, लेकिन कोई जनहानि नहीं हुई है। पड़ोस में था सीएनजी पंपवर्कशॉप में काम करने वाले कर्मचारियों ने बताया कि दमकल ने आग पर समय रहते काबू पा लिया गया वर्ना बड़ा हादसा हो सकता था। ऐसा इसलिए है क्योंकि वर्कशॉप के नजदीक स्थित सीएनजी पंप तक पहुंच जाती। रायपुरवा थानाक्षेत्र के भन्नाना पुरवा में कृष्णा मिल कंपाउंड में स्थित कुर्सी बनाने की फैक्टरी में सोमवार सुबह आग लग गई।

संपत्ति लेने के बाद बेटों ने दिखाया रंग, पोते ने वृद्धा के बाल नोचे, मारे तमाचे

कानपुर, संवाददाता। सन्नाटा छा गया बंटवारे के किस्से में, जब मां ने पूछा मैं आई किसके हिस्से में...। कुछ ऐसा ही मामला सामने आया है कानपुर के साकेतनगर का। यहां एक 89 साल की वृद्धा के चार बेटों ने संपत्ति में हिस्सा लेने के बाद मां का ही बंटवारा कर डाला। वृद्धा का हाल बागवान फिल्म के उन अमिताभ बच्चन और हेमा मालिनी की तरह कर दिया, जिन्हें उनके बेटे छह–छह माह अलग रहने को मजबूर कर देते हैं। इस मामले में भी चारों बेटे वृद्धा को तीन–तीन माह ही अपने यहां रखने और खाना देने के लिए तैयार होते हैं। हद तो तब हो गई, जब पोते (बड़े बेटे के पुत्र) ने उन पर हाथ उठा दिया। गाली देते हुए बाल पकड़कर नोचे और तमाचे मारे। इतना ही नहीं वृद्धा के बेटे ने अपने पुत्र का ही पक्ष लिया। इसके बाद वृद्धा ने किदवईनगर पुलिस से शिकायत की।

पिता–पुत्र पर रिपोर्ट दर्ज

पुलिस ने बड़े बेटे और पोते के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। डब्ल्यू वन साकेतनगर निवासी माया देवी पांडेय ने बताया कि उनके चार बेटे विवेक कुमार, चंद्र प्रकाश, मनोज कुमार, विनय कुमार और तीन बेटियां हैं। सभी की शादी हो चुकी है।

तीन सौ गज के मकान को चार बराबर हिस्सों में बांटा

पति राम गोपाल पांडेय होजरी का काम करते थे। करीब 35 साल पहले उनका निधन हो गया था। इसके बाद कुछ साल तक तो सब ठीक चला। फिर एक दिन बात उठी बंटवारे की। उन्होंने करीब तीन सौ गज के मकान को चार बराबर हिस्सों में बांटकर बेटों को दे दिया।

और जब बेटों को ही लगने लगी बोझ

वृद्धा के मुताबिक करीब आठ साल पहले वह उन बेटों को ही बोझ लगने लगी, जिन्हें गोदी उठाते कभी उसके कंधे नहीं दुखे। घर में चर्चा होने लगी कि उन्हें कौन रखेगा और कौन खाना खिलाएगा। घर में मनमुटाव होता देख बर्रा में रहनी वाली छोटी बेटी विनीता ने तय किया कि वे चारों बेटों के पास तीन–तीन माह रहेंगी।

मारपीट करने वाले पोते का ही पक्ष ले रहा वृद्धा का बेटा

तब से यही सिलसिला चला आ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसी बात से नाराज पोता (बड़े बेटे विवेक कुमार का बेटा) साहिल पांडेय उर्फ विकास उनसे गालीगलौज करने लगा। इसके बाद मारपीट भी की।

पोते ने धमकाया तुमको और तुम्हारे छोटे लड़के को मार देंगे

30 मई को रात 10:30 बजे वह अपने कमरे में थी, तो साहिल आया और बाल पकड़कर कई बार हिलाया। गालीगलौज करने के बाद तमाचे मारे। धमकी दी कि पहले तुमको और तुम्हारे छोटे लड़के को मार देंगे। इसके बाद बाकी दोनों लड़कों को मार देंगे।

जांच के बाद होगी कार्रवाई

वृद्धा के मुताबिक बड़ा लड़का भी अपने बेटे का ही पक्ष लेता है। थाना प्रभारी ने बताया कि वृद्धा की तहरीर पर उसके बेटे और पोते के खिलाफ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज की गई है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

बाइक पर खड़े होकर छात्र ने बनाई थी रील

कानपुर, संवाददाता। कानपुर के स्वरूपनगर थाना क्षेत्र में मोतीझील में स्पोर्ट्स बाइक से स्टंट करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने पुलिस को बताया कि मशहूर होने के लिए उसने रील बनाकर सोशल मीडिया पर डाला था। पुलिस ने आरोपी पर शांतिभंग की कार्रवाई करते हुए 15 हजार रुपये का चालान किया है और बाइक सीज कर दी है। यह वीडियो रविवार दोपहर को वायरल हुआ था। इसमें युवक बाइक पर खड़े होकर हाथ छोड़कर खड़ा नजर आ रहा है। पुलिस ने ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत लगाए गए सीसीटीवी कैमरे खंगाले और बाइक नंबर की पहचान कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। प्रभारी निरीक्षक राजेश शर्मा ने बताया कि आरोपी की पहचान कल्याणपुर नानकारी निवासी सतीश चंद्र के बेटे 19 वर्षीय आदित्य कुमार के रूप में हुई है। वह निजी कॉलेज से बीसीए कर रहा है।

घर में आपत्तिजनक हालत में मिले दो पुरुष और महिला

मुजफ्फरनगर, संवाददाता। एसडीएम सदर निकिता शर्मा व सीओ मंडी रुपाली राव ने नई मंडी कोतवाली पुलिस के साथ शांति नगर में एक घर में चलाए जा रहे सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने मौके से मकान मालकिम समेत चार महिलाओं और दो पुरुषों को हिरासत में लिया है। पिछले कई दिनों से नई मंडी कोतवाली पुलिस को शांति नगर के एक मकान में सेक्स रैकेट चलने की जानकारी मिली रही थी। सोमवार दोपहर एक बार फिर यही सूचना मिली तो मंडी कोतवाली पुलिस ने यह जानकारी अधिकारियों को दी। इसके बाद एसडीएम सदर व सीओ मंडी के नेतृत्व में मंडी कोतवाली पुलिस ने छापेमारी की। पुलिस को वहां दो युवक व दो महिला आपत्तिजनक हालत में मिले। दो अन्य महिला भी मकान में मौजूद थी। पुलिस ने सभी को हिरासत में ले लिया। युवकों ने अपने नाम अजय निवासी गांधीनगर और महताब निवासी जौली बताएं। पुलिस को इस दौरान मोहल्लावासियों ने इस मकान में काफी दिनों से यह धंधा चलना बताया। यह भी जानकारी दी कि शिकायत करने पर उन्हें झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी दी जाती थी। पुलिस का कहना है कि हिरासत में ली गई एक महिला अपने घर पर यह गलत कार्य करती थी। कोतवाली लाए गए युवकों व महिलाओं के परिजनों को पुलिस ने सूचना दी है। सीओ मंडी रुपाली राव ने बताया कि सभी के खिलाफ अनैतिक देह व्यापार अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। के शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बाइक सवार बदमाशों ने की दो जगह फायरिंग

सहारनपुर, संवाददाता। रामपुर मनिहारान कस्बे के मोहल्ला बंजारान में कोतवाली से मात्र 200 मीटर दूर सोमवार की रात बाइक सवार बदमाशों ने घर के बाहर बैठे युवक पर तमंचे से फायरिंग कर दी। भागते समय कुछ दूरी पर बाइक के सामने आए युवक को देख बदमाशों ने फिर से फायरिंग की। गनीमत रही कि किसी को गोली नहीं लगी। फायरिंग की घटना से लोग दहशत में आ गए। पीड़ित नफीस की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी। फायरिंग की घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। नगर पंचायत रामपुर मनिहारान के पास नफीस अहमद पुत्र अनीश मोहल्ले के लोगों से साथ घर के बहार बैठा था। सोमवार रात 10रू15 बजे बाइक सवार बदमाश वहां पहुंचे और उन्होंने नफीस पर फायरिंग कर दी। इससे वहां बैठे लोगों में भगदड़ मच गई। बाइक सवार भागने लगे तो रास्ते में एक युवक ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। इस पर बदमाशों ने फिर से फायरिंग की और फरार हो गए। फायरिंग की घटना के बाद मोहल्ले के लोग एकत्र हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। साथ ही पुलिस सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाला। इसमें बदमाश फायरिंग करते नजर आ रहे हैं। पुलिस क्षेत्राधिकार नकुड़ एस एन वैभव पांडे का कहना है कि घटना के संबंध में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर घटना की जांच की जा रही है। जल्द ही बदमाशों को पकड़ लिया जाएगा।

जिला अस्पताल में ब्लड बैंक के लिए शुरू हुई प्रक्रिया

शामली, संवाददाता। जिला अस्पताल में ब्लड बैंक चालू कराने के लिए एक बार फिर प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिला अस्पताल ने फाइल तैयार कर निरीक्षण कराने के लिए जिला औषधि निरीक्षक के पास भेजी है। जिला अस्पताल में ब्लड बैंक के लिए प्रथम तल पर भवन का चयन किया गया है। शामली में जिला अस्पताल के भवन का निर्माण करीब 40 करोड़ रुपये की लागत से हुआ था। तीन साल से जिला अस्पताल चल रहा है, लेकिन अभी तक मरीजों को ब्लड बैंक की सुविधा नहीं मिली है। जिला अस्पताल में ब्लड बैंक के लिए प्रथम तल पर भवन का चयन किया गया है। करीब एक साल पहले ब्लड बैंक चालू करने की प्रक्रिया शुरू हुई थी, लेकिन बाद में ठंडे बस्ते में चली गई थी। पिछले महीने सहारनपुर के अपर निदेशक स्वास्थ्य ने जिला अस्पताल का निरीक्षण किया था। उन्होंने ब्लड बैंक चालू कराने के लिए जिला अस्पताल की तरफ से प्रक्रिया में उदासीनता बरते जाने पर नाराजगी जताई थी।

बाबाकुटी से यशोदानगर बाईपास तक बनेगी एक और ग्रीनबेल्ट

कानपुर, संवाददाता। कानपुर के दक्षिणी क्षेत्र में बाबाकुटी चौराहे से यशोदानगर बाईपास तक एक और ग्रीनबेल्ट विकसित होगी। इसके लिए नगर निगम मंगलवार को टेंडर खोलेगा। अगले महीने से अतिक्रमण हटाकर निर्माण शुरू कराने की तैयारी है। करीब तीन किलोमीटर लंबी ग्रीनबेल्ट में बाउंड्री, लोहे की जालियां, सबमर्सिबल लगाने के साथ ही सघन पौधरोपण किया जाएगा। बाबाकुटी चौराहे से यशोदानगर बाईपास होते हुए पशुपतिनगर तक ग्रीनबेल्ट बनवाने के बाद इसी के समानांतर सड़क के दूसरी तरफ भी ग्रीनबेल्ट विकसित करने की तैयारी नगर निगम ने शुरू की है। निर्माण की अनुमानित लागत सवा तीन करोड़ रुपये है। आचार संहिता की वजह से टेंडर नहीं हो पाए थे।

जगह–जगह अतिक्रमण, चलेगा बुलडोजर

नगर निगम ने जहां ग्रीनबेल्ट विकसित करने की योजना बनाई है, उसमें बाबाकुटी चौराहे पर पुलिस चौकी, उसके बाद अस्थायी रूप से अतिक्रमण कर ट्रकों, टैंपो सहित अन्य वाहनों की मरम्मत की जाती है। वहां से किदवईनगर चौराहे तक 20 से ज्यादा दुकाने हैं। 40 दुकान के बाहर फल मंडी, सब्जी मंडी लगती है। किदवदईनगर के–ब्लॉक और वाई–ब्लॉक से लेकर विराटनगर तक कबाड़ के गोदामों से लेकर चार गेस्ट हाउस संचालकों के अवैध कब्जे हैं। ये सब गिराए जाएंगे।

ग्रीनबेल्ट तोड़ने वालों को भेजेंगे ठीक कराने का नोटिस

नगर निगम के उद्यान अधीक्षक वीके सिंह ने बताया कि बाबाकुटी चौराहे से यशोदानगर बाईपास तक बनी ग्रीनबेल्ट तोड़ने वालों को चिह्नित किया जा रहा है। 18 जून को नोटिस भेजकर मरम्मत कराने के लिए कहा जाएगा। यदि 15 दिन में मरम्मत नहीं कराई, तो नगर निगम अवैध कट बंद करेगा।

नमाज अदा कर मांगी अमन–चौन की दुआ

बांदा, संवाददाता। बकरीद का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विशेष नमाज में मुल्क में अमन और सद्भाव की दुआ की गई। शहर की ईदगाह में सबसे ज्यादा लोगों ने नमाज अदा की। नमाज के बाद कुर्बानी का सिलसिला शुरू हो गया। बांदा शहर की ईदगाह में सुबह साढ़े सात बजे मौलाना रियाज (हथौरा) ने नमाज अदा कराई। सामूहिक दुआओं में मुल्क की तरक्की, अमन और सौहार्द की दुआ की। ईदगाह पहुंचकर डीआईजी अजय सिंह, डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, एसपी अंकुर अग्रवाल, एडीएम राजेश कुमार, अपर एसपी लक्ष्मी निवास मिश्रा, नगर पालिका ईओ नीलम चौधरी आदि ने लोगों को मुबारकबाद दी। डीएम ने बच्चों को टाफियां भी बांटी। मुतवल्ली डॉ. शेख सादी जमा ने व्यवस्थाओं के लिए प्रशासन का आभार जताया। सपा नेता पूर्व चेयरमैन मोहन साहू, महेंद्र सिंह गौतम, हसन सिद्दीकी, शकील अली, इमरान अली राजू , शमीम बांदवी, आत्मा राम यादव, बृजभूषण यादव, वृंदावन, अशोक भी मौजूद रहे। शहर में शेख सरवर साहब की मस्जिद में शहर काजी अकील मियां ने नमाज अदा कराई। मरकज मस्जिद कोतवाली रोड, हाथीखाना रब्बानिया मस्जिद, केवटरा ईदगाह, गौसिया मस्जिद, अमानिया मस्जिद, बोड़े मस्जिद समेत कई अन्य मस्जिदों में भी नमाज अदा की गई। हर जगह पुलिस तैनात रही।

अकीदत के साथ अदा की नमाज

बदौसा। बड़ी जामा मस्जिद समेत सभी मस्जिदों व बरकतपुर, दतौरा में पूरी अकीदत के साथ नमाज अदा की गई। कस्बे की निजामी नगर स्थित उस्मानिया जामा मस्जिद में पेश इमाम मौलाना साजिद ने नमाज पढ़ाई।

गले मिलकर दी बकरीद की मुबारकवाद

पैलानी। खप्टिहाकलां की कटरा मस्जिद, शादी मदनपुर ईदगाह मस्जिद,सबादा गांव की मस्जिद, पिपरोदर गांव की मस्जिद, अदरी गांव की मस्जिद, पैलानी में दियावानी मस्जिद, सिकहुला गांव में स्थित मस्जिद समेत कई प्रमुख मस्जिदों में नमाजियों ने सुबह से ही मस्जिदों में पहुंचकर नमाज अदा की। एसडीएम पैलानी शशिभूषण मिश्र व सीओ सदर अजय कुमार सिंह ने सादी मदनपुर स्थित ईदगाह मस्जिद में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पपरेंदा में भी बस स्टैंड स्थित मस्जिद में नमाज अदा की गई। चौकी इंचार्ज जीत प्रताप सिंह ने नमाजियों को मुबारकबाद दी।

हर्षोल्लास से मनाई बकरीद

बबेरू। कस्बे के पुरानी तहसील स्थित जामा मस्जिद में बकरीद की विशेष नमाज अदा कर देश की सलामती व भाईचारे की दुआएं कीं। घरों में सेवइयां सहित अन्य पकवान भी बने। हरदौली, आलमपुर, गौरी खानपुर बेगहटा, अनौसा, औगासी, पतवन, निभौर, परसौली, मरका गांव में बकरीद हर्षोल्लास से मनाई गई। सीओ राजबीर सिंह,एसडीएम नमन मेहता, तहसीलदार लखन सिंह राजपूत, कोतवाली प्रभारी राजकुमार सिंह, कस्बा इंचार्ज तुषार सहित पुलिस बल मौजूद रहा।

नमाज के बाद गले मिले और दी बधाई

अतर्रा। नरैनी रोड स्थित मुख्य ईदगाह में हाफिज इमरान ने नमाजियों को नमाज अदा कराई। जरुहा चौकी मस्जिद में हाफिज इमाम अली तथा बदौसा रोड स्थित जामा मस्जिद में हाफिज इमरान अली ने नमाज अदा कराई। राज नगर, बिसंडा रोड पर स्थित बल्दू का पुरवा आदि मस्जिदों में नमाज अदा की गई। नमाज के बाद नमाजी हाजी शाकिर अली, मुबारक अली, इम्तियाज अली, नासिर अली, राजू खान, वजीर अली, जाहिद अली, ने एक–दूसरे के गले लगकर मुबारकबाद दिया। सुरक्षा के लिहाज से कोतवाली इंस्पेक्टर पंकज सिंह पुलिस बल के साथ रहे।

भरी पंचायत में अनुसूचित जाति के युवक से लगवाई उठक–बैठक, पैर भी पकड़वाए

सहारनपुर, संवाददाता। देवबदं क्षेत्र के गंगदासपुर (गुडगंजपुर) गांव में मजदूरी के रुपये मांगने पर दबंगों द्वारा अनुसूचित जाति के एक युवक से भरीं पंचायत में उठक–बैठक लगवाने का मामला प्रकाश में आया है। आरोपियों ने जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए युवक से पैर भी पकड़वाए और उसकी वीडियो भी बनाई गई। मामले में पीड़ित की भाभी ने पुलिस को तहरीर दी है। मंगलवार को भीम आर्मी के विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष शौर्य आंबेडकर और कार्यकर्ताओं के साथ पीडित युवक की भाभी कोतवाली पहुंची। उसने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि देवर मजदूरी करता है। कुछ दिन पूर्व गांव में ही एक व्यक्ति के यहां उसने मजदूरी की थी। आरोप है कि सोमवार को उसने मजदूरी के रुपये मांगे तो उसके साथ अभद्र व्यवहार किया गया। रात के समय समझौते के नाम पर देवर और ससुर को जबरन एक मकान पर बुलाया गया। आरोप है कि वहां उक्त व्यक्ति ने देवर से उठक–बैठक लगवाई और जातिसूचक शब्द कहे गए और उससे पैर पकड़वाते हुए माफी मंगवाई गई। इतना ही नहीं आरोपी ने उसकी वीडियो भी बनाई। वहीं, शौर्य आंबेडकर ने कहा कि घटना से दलित समाज की भावनाओं को ठेस पहुंची हैं। यदि पुलिस मामले में कार्रवाई नहीं करती तो थाने का घेराव किया जाएगा। पीड़ित ने पुलिस ने वीडियो को हटवाए जाने की मांग की है।

छह के खिलाफ केस दर्ज, जल्द गिरफ्तारीरू सीओ

सीओ अशोक सिसोदिया का कहना है कि तहरीर पर आरोपी लाखन, कैलाश, सोमपाल, कप्तान, अनुज और योगेंद्र के विरुद्ध एससीएसटी सहित अन्य धाराओ में रिपोर्ट दर्ज की गई है। जांच के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

80 एकड़ भूमि का किसानों को मुआवजा वितरण होगा शुरू

शामली, संवाददाता। शामली जिला कारागार की भूमि के मुआवजा वितरण के लिए उत्तर प्रदेश शासन से नोडल अधिकारी नियुक्त हो चुके है। इसी माह में 100 करोड़ रुपये की धनराशि का मुआवजा किसानों को दिया जाएगा। शामली जिला बनने के बाद वर्ष 2015 में जिला जेल के लिए 80 एकड़ भूमि की तलाश शुरू हो गई थी। पहले भैंसवाल और जंधेड़ी में जिला कारागार की भूमि का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा गया, किंतु शासन से भैंसवाल–जंधेड़ी की भूमि पर आपत्तियां आने के बाद प्रस्ताव ठंडे बस्ते में चला गया था। वर्ष 2019 में जिला प्रशासन ने बनत दक्षिणी क्षेत्र की 80 एकड़ भूमि को जिला कारागार के लिए उपयुक्त माना। 2019 में 80 एकड़ भूमि का चिह्नित कर मुजफ्फरनगर जिला कारागार

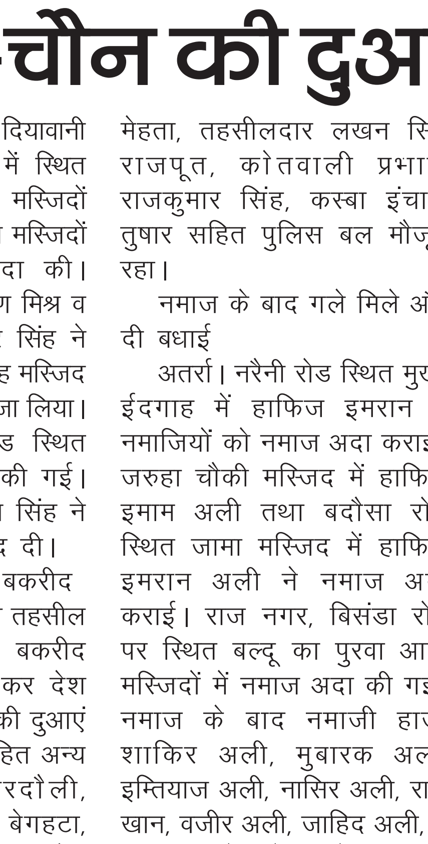

के तत्कालीन अधीक्षक को भूमि का निरीक्षण कराया गया। शासन को जिला कारागार की भूमि उपयुक्त मानकर प्रस्ताव भेजा गया। शासन को भेजे गए प्रस्ताव पर लखनऊ कारागार के उपमहानिरीक्षक अखिलेश कुमार सिंह ने गत 25 मार्च 2021 को शामली आकर भूमि का निरीक्षण किया, बाद में शासन को राजस्व विभाग ने भूमि खरीदने के लिए रिपोर्ट भेजी।

गर्लफ्रेंड की हत्या किया फिर की आत्महत्या

मेरठ, संवाददाता। मेरठ के भावनपुर थाना के गांव अमरसिंह पटटी में प्रेमी युगल की मौत से हड़कंप मच गया। यहां गांव निवासी मनीष जाटव (24) वर्ष पुत्र श्रीचंद्र पेशे से गांव में ही मेडिकल स्टोर चलाता था। रविवार को देर रात लगभग डेघ्ढ बजे पड़ोस में रहने वाली अपनी प्रेमिका विधि से मिलने के लिए छत के उपर से होते हुए उसके घर जा पहुंचा। जहां घर में बनी रसोई में मनीष और उसकी प्रेमिका का गोली लगने के बाद शव पडेघ् पाए गए। फोरेंसिंक टीम के साथ पहुंचे और मामले की छानबीन शुरू की। पचगांव अमरसिंह पटटी निवासी मनीष का अपने ही पड़ोस मे रहने वाली विधि के साथ तीन साल से प्रेम संबंध थे। वहीं दोनों के परिजन इस प्रेम संबंध का लगातार विरोध करते थे। रविवार को आधी रात को मनीष काले कपडेघ् पहनकर व काला मास्क लगाकर और मुंह पर काला कपड़ा लपेटकर छत के रास्ते से प्रेमिका के घर जा पहुंचा। इसके बाद रसोई में विधि और मनीष की कनपटी पर गोली लगे हुए शव पडेघ् हुए मिले थे। पचगांव पटटी अमर सिंह मे गोली लगने से मनीष ओर विधि की मौत की जानकारी मिलते ही एसपी देहात कमलेश बहादुर और भावनपुर पुलिस ने मामले की छानबीन की। पुलिस को मनीष की जेब से उसका और विधि का आधार कार्ड मिला। पुलिस आशंका जता रही है कि मृतक मनीष अपनी प्रेमिका के संग फरार होने की फिराक में था। लेकिन विधि के इनकार करने के बाद मनीष ने पहले विधि की कनपटी से सटाकर गोली मार दी, जिसके बाद खुद की भी कनपटी पर तमंचा सटाकर गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मनीष के घर पर उसकी शादी को लेकर तैयारी चल रही थी। वहीं उसकी बहन अलका, नेहा और मीनाक्षी ने बताया कि अपने भाई की शादी को लेकर तरह तरह के सपने संजोए हुए थे। वहीं भाई की शादी को लेकर पूरे घर में खुशी का माहौल व्याप्त था, लेकिन कुछ ही पल में उसके भाई की मौत से सारी खुशिया मातम में बदल दी गईं। मनीष की उसकी प्रेमिका के घर पर गोली लगने से मौत की जानकारी मिलते ही उसकी मां विमला ने रोते–बिलखते हुए आरोप लगाया कि उसके बेटे को पड़ोस में रहने वाली विधि ने दवा लाने के बहाने अपने घर पर बुलाया। जहां उसके बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जबकि उसके बेटे की 15 जुलाई को गोलाबढ़ थाना रोहटा निवासी युवती के साथ शादी होनी थी। पुलिस द्वारा की गई पूछताछ के दौरान मृतक विधि की बहन दीपा ने बताया कि उसके दो भाई शिवम और देव छत पर सोए हुए थे। उसकी मां रेखा अपने मायके गांव डालूहेडा थाना जानी गई थी। वही उसके पापा बरामदे मे और वह कमरे मे सोए थी। रात को करीब डेढ बजे वह पानी पीने के लिए उठी और जैसे ही रसोई की ओर गई, तभी उसने देखा कि मनीष ने उसकी बहन की कनपटी पर तमंचा सटा रखा था। इससे पहले की वह शोर मचाकर अपने पापा को उठाती उससे पहले ही मनीष ने विधि को गोली मार दी। इसी बीच उसके पापा भी उठ गए और डर के मारे पीछे को हट गए। इसी बीच मनीष ने स्वयं को भी कनपटी पर तमंचा सटाकर गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पचगांव अमरसिंह पटटी में गोली लगने के बाद मोके पर पहुंची फोरेसिंक टीम ने मृतक विधि के भाई और पिता के उंगलियों के निशान लेते हुए विधि और मनीष के मोबाइल नंबरों को भी जांच के लिए भेजते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने दोनों मृतको के शवों का पंचनामा भरकर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया है।

एक करोड़ के हीरे चोरी के बाद एक और वारदात, टेढ़ी बगिया पर कार से उड़ाए 40 हजार रुपये

आगरा, संवाददाता। आगरा में बाहरी गैंग सक्रिय है। जो सड़क व चौराहों पर कार सवारों संग वारदात कर रहा है। कभी स्प्रे छिड़क कर तो कभी झांसा देकर कार से बैग और नकदी उड़ा रहा है। बीते शुक्रवार को टेढ़ी बगिया चौराहा पर फैक्टरी संचालक को गैंग ने शिकार बना लिया। उनकी कार से बैग उड़ा लिया, जिसमें 40 हजार रुपये व कागजात थे। ट्रांस यमुना क्षेत्र में शुक्रवार शाम 5.45 बजे बदमाशों ने वारदात की। न्यू आगरा स्थित इन्द्रपुरी निवासी वीरेंद्र सिंघल (50) और उनका बेटा रोहन (25) दोनो फैक्टरी से घर लौट रहे थे। फाउड़ी नगर के पास उनकी टिशू पेपर बनाने की फैक्टरी है। वीरेंद्र सिंघल ने बताया कि शाम 5.45 बजे टेढ़ी बगिया चौराहा पर जाम था। उन्होंने अपनी कार धीमी की। तभी एक युवक कार के पास आया और कुछ इशारा करने लगा। उनकी कार के बोनट पर उसने कुछ छिड़का। जिसके बाद कार के अंदर एसी से आंखों में जलन करने वाली तेज दुर्गंध आने लगी। टेढ़ी बगिया चौराहा से करीब 100 कदम आगे जाकर साइड में उन्होंने कार लगाई। पिता और पुत्र दोनो कार का बोनट खोलकर उसे चेक करने लगे। कार में लौटे तो बैग गायब था। बैग में 40 हजार रुपये व हिसाब–किताब के कागजात थे। ट्रांस यमुना थाने पर शुक्रवार को तहरीर दी गई थी। पुलिस ने जांच के बाद केस दर्ज करने का आश्वासन दिया है। बाहरी टप्पेबाज गैंग ने 14 जून को टेढ़ी बगिया पर वारदात की। 15 जून को रुई की मंडी में रेलवे के चीफ लोको इंस्पेक्टर का बैग छीनने का प्रयास किया। शनिवार रात मदिया कटरा पर तीन कार सवारों संग वारदात की गई। जिनमें दो कार सवार सतर्कता से बच गए।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।